सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 233 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 6 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नहीं रहे छत्तीसगढ़ के 'पा', सीएम बघेल ने बनाया था एक दिन का कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में प्रोजेरिया नाम की बीमारी से ग्रसित शैलेंद्र ध्रुव का निधन हो गया। शैलेंद्र ध्रुव जिस बीमारी से पीड़ित थे उस पर अमिताब बच्चन ने फिल्म बनाई थी। पा नाम से आई इस फिल्म के बाद गरियाबंद निवासी शैलेन्द ध्रुव भी चर्चा में आए थे। छत्तीसगढ़ सरकार ने शैलेन्द्र ध्रुव को एक दिन का कलेक्टर बनाकर उनकी इच्छा पूरी की थी। शैलेन्द्र ध्रुव की सोमवार देर रात तबीयत बिगड़ी और निधन हो गया।

गरियाबंद जिले के ग्राम मेडकी डबरी निवासी शैलेंद्र लाइलाज बीमारी प्रोजेरिया से पीड़ित थे। इस बीमारी के कारण व्यक्ति का शारीरिक विकास रुक जाता है और छोटी उम्र में ही बुढ़े की तरह दिखने लगते हैं। सदी के महानाय अमिताब बच्चन ने प्रोजेरिया से पीड़ित बच्चे की कहानी पर्दे पर उतारी थी और इस फिल्म के लिए अमिताब बच्चन के काम को काफी सराहा गया था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शैलेन्द्र ध्रुव को एक दिन का कलेक्टर बनाया और उसका सपना पूरा किया था।

बता दें अक्टूबर 2021 में प्रोजेरिया से पीड़ित शैलेंद्र ध्रुव को एक दिन के लिए कलेक्टर बनाया गया था। डिप्टी कलेक्टर रुचि शर्मा शैलेंद्र को उनके घर लेने पहुंची थीं। वहीं कलेक्टर निलेश क्षीरसागर ने सारे प्रोटोकॉल का पालन किया था। खास बात ये है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एसपी कॉन्फ्रेंस में शैलेंद्र ध्रुव को अपनी बगल में बैठाया था और सारे उच्च अधिकारियों से उसकी मुलाकात भी कराई थी। शैलेंद्र बचपन से कलेक्टर बनने का सपना देखता था, इसे प्रशासन ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आदेश पर पूरा किया था। शैलेंद्र जब कलेक्टर ऑफिस पहुंचा तो तब कलेक्टर निलेश क्षीरसागर खुद कार तक आए और उसे शैडो कलेक्टर की जिम्मेदारी दी थी। इसके बाद वो मुख्यमंत्री से मिलने रायपुर पहुंचा था।

ट्वीट कर सीएम ने जताया शोक

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर शैलेंद्र ध्रुव के निधन पर दुख जताया है। सीएम बघेल ने अपने संदेश में कहा, सुबह दुखद सूचना मिली। शैलेंद्र ध्रुव अब हमारे बीच नहीं रहे. गरियाबंद के छुरा के ग्राम मेडकी डबरी के रहने वाले शैलेंद्र प्रोजेरिया बीमारी से ग्रसित थे। हमने उसकी एक दिन का कलेक्टर बनने की इच्छा तो पूरी कर दी थी लेकिन ईश्वर की कुछ और इच्छा थी। भगवान उसका ख्याल रखें। घर वालों को हिम्मत मिले।

खास - खबर

तीन दिन से लापता युवती की जंगल में मिली लहूलुहान लाश, हिरासत में तीन संदिग्ध

बलरामपुर। 3 दिन से लापता युवती की लाश जंगल लहूलुहान हालत में मिली है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव का कब्जे में ले लिया है। शव के सिर और गर्दन बुरी तरह से कुचला हुआ है। पुलिस ने इस मामले में 3 संदिग्धों को गिरफ्तार हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। मामला बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कुसमी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार कुसमी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भुलसीकला के तेतरटोली की रहने वाली 20 वर्षीया सरस्वती कुमारी अपनी मां और पिता रामेश्वर गोंड़ के साथ अंबिकापुर में रहती थी। युवती कुछ दिन पहले ही अपने मामा के गांव तेतर टोली आई थी। 2 जून को वह घर से तैयार होकर निकली थी, लेकिन फिर वापस नहीं लौटी। जब मामा ने उसे कॉल किया तो सरस्वती का मोबाइल लगातार स्विच ऑफबता रहा था।

परेशान मामा संजय गोंड़ ने युवती के माता-पिता को इस बात की जानकारी दी। वहीं वे अन्य लोगों के साथ आसपास के गांव में भी भांजी की तलाश में जुटे हुए थे। इस बीच सोमवार को युवती की खून से लथपथ लाश ग्राम पंचायत अमरपुर के आमादारा पाठ के जंगल के पड़ी मिली। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कुसमी थाना प्रभारी सुनील केरकेट्टा, एसआई कोमल तिग्गा सहित अन्य पुलिसकर्मी डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंचे।

आशंका जताई जा रही है कि युवती के सिर पर पत्थर पटककर उसकी हत्या की गई है। गर्दन को भी पत्थर से कुचला गया है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। परिजनों का बयान दर्ज किया गया है। पुलिस को प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने 3 संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा करने की बात कही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मिला सूरीनाम का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

ग्रैंड ऑर्डर ऑफ द यलो स्टार अवार्ड

नईदिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सूरीनाम के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया है। सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रकिप्रसाद संतोखी ने मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के राष्ट्रपति मुर्मू का सम्मान किया। गृह मंत्रालय ने ट्वीट कर जानकारी दी कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सूरीनाम के राष्ट्रपति संतोखी ने अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड ऑर्डर ऑफद येलो स्टार से सम्मानित किया है। भारत और सूरीनाम के द्विपक्षीय रिश्ते काफी मजबूत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रपति मुर्मू को बधाई दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दी बधाई

राष्ट्रपति मुर्मू ने सम्मान समारोह के दौरान संबोधन में कहा कि देश के सबसे बड़े सम्मान से उन्हें सम्मानित किया गया। इस वजह से काफी खुश हूं। इस सम्मान से सिर्फ मुझे ही नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों को इससे गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने इस सम्मान का श्रेय भारतीय-सुरीनामी समुदाय के लोगों को दिया और कहा कि उनके कारण हमारे रिश्तों में अधिक मजबूती आई है। पीएम मोदी ने भी राष्ट्रपति को सम्मान के लिए बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सूरीनाम के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड ऑर्डर ऑफ येलो स्टार से सम्मानित होने के लिए आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं राष्ट्रपति जी।

मुझे काफी खुशी हो रही है

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोमवार को सूरीनाम के राष्ट्रपति संतोखी से मुलाकात करने के बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता को लीड किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। आपके आतिथ्य और स्वागत से मैं बहुत अभिभूत हूं। मैं भारत में आपके भाई-बहनों की ओर से आपको शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं। दोनों देशों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध दोनों देशों के मजबूत रिश्तों की नींव हैं।

बच्चों को खिलाई चॉकलेट्स

राष्ट्रपति मुर्मू ने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार क्षमता से काफी कम है। हमें व्यापार बढ़ाने के लिए साथ में काम करने की आवश्यकता है। अभी फार्मास्यूटिकल्स, आयुर्वेद, कृषि और रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में और सहयोग की गुंजाइश है। भारत तकनीकी सहयोग और देश की आवश्यकता अनुसार, सूरीनाम के विकास और निर्माण में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। अलग-अलग औपचारिक कार्यक्रमों में शामिल होने के अलावा राष्ट्रपति ने परामरीबो में कुछ बच्चों से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को भारत की बनी चॉकलेट्स खिलाई। राष्ट्रपति ने इंडिपेंडेंस स्क्वायर में कृत्रिम गांव का भी उद्घाटन किया।

पर्यावरण दिवस पर दिखा जज्बा, रानीदहरा वॉटरफॉल से निकाला 94 बैग कचरा

■ छत्तीसगढ़ी दुनिया, ख्वाब वेलफेयर फाउंडेशन का अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर रानीदहरा वॉटरफॉल में वृहद सफाई अभियान चलाया गया। छत्तीसगढ़ी दुनिया, ख्वाब वेलफेयर फाउंडेशन और 36 मोंटाने संस्था ने इस दौरान सफाई का ऐसा जज्बा दिखाया कि दो दिन चले इस अभियान में 94 बैग कचरा निकाला। पर्यावरण के प्रति लोगो को जागरूक करते हुए रानीदहरा वॉटरफॉल के चारो ओर फैले प्लास्टिक के कचरो को एकत्रित कर लगभग 150 किलोग्राम कचरा निकाला।

छत्तीसगढ़ी दुनिया के संस्थापक रवि साहू ने बताया कि इस मुहिम में तकरीबन 35 लोग शामिल हुए जो अलग अलग जगहों से सोशल मीडिया के माध्यम से हमसे जुड़े और हमारे इस कार्य में शामिल हुए। आगे भी सोशल मीडिया के माध्यम से छत्तीसगढ़ ही नही बल्कि पूरे भारत में पर्यटन स्थल को साफसफाई से रखने का संदेश दे रहे है। इस अभियान में माउंटेन सोल ख्वाब वेलफेयर फाउंडेशन, नो फॉर प्लास्टिक ऑर्ग एव विदित फाउंडेशन का खास सहयोग रहा। 36 मोंटाने के संस्थापक खेमलाल साहू ने बताया कि आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सेंट्रल मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म ने भी मुहिम को सराहा और स्टेट व सेंट्रल गवर्नमेंट को पर्यावरण स्थलों की देख रेख एव उत्थान के लिए ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने दी अंधड़ और बारिश की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने अंधड़ और बारिश की चेतावनी जारी की है। बिहार से तमिलनाडु तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इसके असर से प्रदेश में किसी भी जगह मौसम में बदलाव हो सकता है और तेज आंधी और बारिश की स्थिति बन सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कुछ स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि प्रदेश में इस वक्त उत्तर-पश्चिमी हवाएं आ रही हैं, क्योंकि राजस्थान में बारिश की वजह से तापमान गिरा है, इसलिए उधर से आने वाली हवाओं की वजह से भी तापमान में विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है।

यह क्या कह गए पूर्व मंत्री?

श्रीकंचनपथ

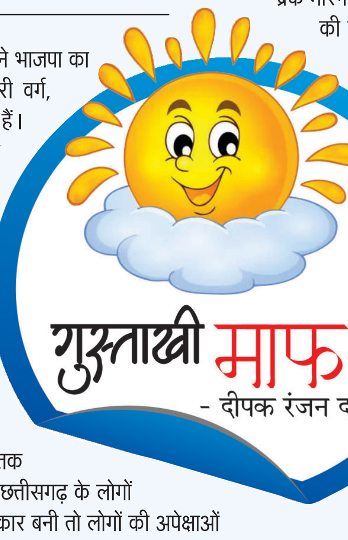

पिछले लगभग एक सप्ताह में 700 से अधिक लोगों ने भाजपा का दामन थाम लिया. इनमें आदिवासी समाज, व्यापारी वर्ग, फिल्मी कलाकार और पिछड़ा वर्ग के लोग शामिल हैं। भाजपा के पूर्व मंत्री अजय चन्द्राकर ने कहा कि इन सभी का भाजपा में स्वागत है। दरअसल, ये किसी पार्टी से नहीं जुड़े बल्कि राष्ट्र की सेवा करने के लिए आगे आए हैं। पर कांग्रेस का भूत यहां भी उनका पीछा करता रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में एक स्तर के बाद आगे जाम लगा हुआ है। नाम नहीं लेते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता चाहे जो कर लें, एक स्तर के बाद ऊपर नहीं जा सकते। भाजपा में ऐसा नहीं है. यह किसी परिवार की पार्टी नहीं है। यहां छोटे से छोटा कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और पुरुषार्थ से ऊपर तक जा सकता है। हो सकता है वे ठीक कह रहे हों, पर छत्तीसगढ़ के लोगों का अनुभव इससे भिन्न है। जब यहां भाजपा की सरकार बनी तो लोगों की अपेक्षाओं के विपरीत यहां के वरिष्ठतम नेताओं के रास्ते रोक दिये गये। एक के बाद एक तीन कार्यकाल निकल गए पर ये वरिष्ठजन मध्यप्रदेश सरकार में भी मंत्री थे और छत्तीसगढ़ सरकार में भी इससे आगे नहीं जा पाए। रास्ता रोकने के दो तरीके हैं। एक तो उन्हें आगे बढ़ने न दिया जाए या फिर इतनी तेजी से आगे बढ़ाया जाए कि ब्रेक मारने से पहले ही मार्गदर्शक मंडल तक पहुंच जाएं। इस मंडल में बैठे आदमी की हालत रिटायर्ड स्कूल मास्टर जैसी होती है जिसकी घर वाले भी नहीं सुनते। बहरहाल, उन्होंने परिवारवाद पर चोट किया है। ऐसा करके उन्होंने कांग्रेसियों की दुखती रग को छेड़ दिया है। स्वयं कांग्रेस के वरिष्ठजन मानते हैं कि पार्टी यदि शीर्ष स्तर पर नेतृत्व परिवर्तन कर ले तो वह अपना खोया वैभव दोबारा प्राप्त कर सकती है। हालांकि, वे पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर ऐसा बोल नहीं पाते। यह भी एक तरह का संस्कार है. यही संस्कार सरकारी अमले में छोटे कर्मचारियों को बड़े अधिकारियों के खिलाफ मुंह खोलने से रोकता है। पूर्व मंत्री ने इन्हीं कांग्रेसियों की भावना को जुबान दे दी है। वैसे, उन्होंने परोक्ष रूप से यह भी स्वीकार किया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री अच्छा काम कर रहे हैं, पर वो कितना भी अच्छा कर लें, एक स्तर के बाद आगे नहीं बढ़ पाएंगे। तो क्या इसे मुख्यमंत्री को भाजपा में आने का न्यौता समझा जा सकता है? शायद समझा जा सकता हो. वैसे भी भाजपा कोई आसमान से नहीं टपकी हुई। काबिल लोगों की जरूरत तो सभी पार्टियों को होती है। भाजपा पहले भी अलग विचारधारा के लोगों को अपने में शामिल करती रही है। उन्हें मौके भी देती रही है. वैसे भी छत्तीसगढ़ सरकार और हमारे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की स्वयं प्रधानमंत्री मोदी अनेक अवसरों पर तारीफकरते रहे हैं। याद रहे कि राजनीति में कोई भी स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता।

संपादकीय

बहुत देर से सजा

लगभग 32 साल पहले किए गए अपराध में वाराणसी की एक अदालत ने सजा सुनाई है, तो यह जहां सकारात्मक फैसला है, वहीं एक बड़ा अफसोस भी इसके साथ जुड़ा है कि काश! हत्या जैसे जघन्य अपराध के मामले में पहले ही सजा सुनाई जाती, तो पूर्वांचल की राजनीति व शायद समाज का स्वरूप कुछ और हो सकता था। अब यह फैसला इतिहास में दर्ज हो गया है कि वाराणसी की एक अदालत ने 1991 के अवधेश राय हत्याकांड में गैंगस्टर-राजनेता मुख्तार अंसारी को सोमवार को आजीवन कारावास की सजा सुना दी है। कांग्रेस नेता अजय राय के भाई अवधेश राय की 3 अगस्त, 1991 को उनके घर के गेट पर ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तभी से मुख्तार के खिलाफ मुकदमा चल रहा था। मगर वह निरंतर राजनीति व समाज में भी सक्रिय रहा, क्या यह चिंता की बात नहीं है? उस पीड़ित परिवार की प्रशंसा करनी चाहिए कि जिसने दशकों इंतजार किया, अनेक सरकारें आईं और गईं, समय के साथ आरोपी भी कद्दावर होता चला गया। यह हमारे समाज का एक स्याह पक्ष है कि हम अपराधियों के प्रति सजग नहीं हैं। लोकतंत्र में प्राथमिकता यही होनी चाहिए कि जनता किसी भी भ्रष्ट या अपराधी को प्रतिनिधित्व के लिए आगे न आने दे।

> पिछले वर्ष ही उसके पुत्र ने विधानसभा का चुनाव जीता है। नेतृत्व के लिए गलत नेताओं का चयन और न्यायपालिका व कानून-व्यवस्था की ढिलाई लगभग परंपरा बन चुकी है। शायद यही कारण है कि आज लोकसभा और विधानसभाओं में बड़ी संख्या में दागी विराजमान हैं। क्या कई लोग यह नहीं सोचने लगे होंगे कि अपने देश में कितने ऐसे सांसद या विधायक हैं, जो जघन्य अपराध कर चुके हैं, लेकिन दोष सिद्ध न हो पाने की वजह से सत्ता सुख भोग रहे हैं?

हमारे लोकतंत्र का यह एक 'दुखद पहलू है कि जिस व्यक्ति को तीन दशक से भी ज्यादा समय बाद दोषी करार दिया गया है, वह इस बीच पांच बार विधायक चुना गया। अगर इस नेता ने 1991 में हत्या की थी, तो क्या उसे किसी भी सूरत में विधानसभा पहुंचने देना चाहिए था? राजनीतिक पार्टियां इस पर ज्यादा नहीं सोचती हैं, क्योंकि उनका चुनाव जीतने वाले प्रत्याशी से ही सरोकार होता है। यह व्यापकता में हमारे लोकतंत्र की खामी है कि अच्छे प्रत्याशी से ज्यादा महत्वपूर्ण है चुनाव जीतने वाला प्रत्याशी। लोगों में भी जागरूकता बढ़नी चाहिए। यह बहुतों को याद होगा कि वाराणसी में लोकसभा चुनाव 2009 में मुख्तार को पराजय नसीब हुई थी, लेकिन वह जेल में रहते हुए भी 27 प्रतिशत से ज्यादा वोट लेने में कामयाब रहा था। सोचना चाहिए, लोग आखिर क्या सोचकर दागियों को वोट देते हैं? राजनीतिक पार्टियां किस आधार पर इनका बचाव करती हैं? क्या कोई अपराधी तब तक माननीय बना रह सकता है, जब तक वह अदालत में दोषी न सिद्ध हो? बड़े नेता भी दागियों के बचाव में यह दलील देते हैं कि फ्लां के खिलाफ अभी अपराध सिद्ध नहीं हुआ है।

यह सही है कि सजा से पहले अपराध सिद्ध होना जरूरी है, लेकिन जब अपराध सिद्ध होने में ही 32 साल लग जाएं, तो किसको दोष दिया जाए? क्या वह व्यवस्था जिम्मेदार नहीं है, जो अपराधियों को सजा सुनाने में जरूरत से ज्यादा वक्त ले रही है? देर से किया गया न्याय क्या किसी अन्याय से कम है? वैसे, कृष्णानंद राय हत्या मामले में मुख्तार को पहले ही दस साल कैद की सजा सुनाई जा चुकी है, वह जेल में है। हालांकि, उसके रसूख या विरासत पर कोई खास असर नहीं हुआ है। पिछले वर्ष ही उसके पुत्र ने विधानसभा का चुनाव जीता है। नेतृत्व के लिए गलत नेताओं का चयन और न्यायपालिका व कानून-व्यवस्था की ढिलाई लगभग परंपरा बन चुकी है। शायद यही कारण है कि आज लोकसभा और विधानसभाओं में बड़ी संख्या में दागी विराजमान हैं। क्या कई लोग यह नहीं सोचने लगे होंगे कि अपने देश में कितने ऐसे सांसद या विधायक हैं, जो जघन्य अपराध कर चुके हैं, लेकिन दोष सिद्ध न हो पाने की वजह से सत्ता सुख भोग रहे हैं?

हिंसा मुक्त बचपन का सपना

किशोर देखते हैं कि उनके चारों ओर सब कुछ एक संघर्ष है; विवाद है; सुरक्षा, सफलता, पद की लालसा-होड़ है, और वे यही तो अनुसरण करते हैं। हमारे चारों तरफ यही पैटर्न है।

मुझसे यह पूछा गया है कि आप हमारे बच्चों, हमारी नौजवान पीढ़ी में हिंसा का अंत कैसे कर सकते हैं? मैं यदि पूछता, तो मेरा सवाल यह होता कि हिंसा इतनी असाधारण रूप से व्यापक कैसे हुई? क्या यह सबसे पहले हमारे बच्चों में आई? क्या यह सही नहीं है कि माता-पिता के पास अपने बच्चों को देने के लिए वक्त नहीं है, क्योंकि वे अपनी समस्याओं में ही इस कदर उलझे हैं; अपनी आजीविका कमाने में इतने व्यस्त हैं कि बच्चों और बड़ों के बीच कोई रिश्ता नहीं रह बचा है? क्या यह एक कारण है?

मैं यह नहीं कह रहा कि यही एकमात्र कारण है। माता-पिता अधिक पैसे कमाने में जुटे हैं और बच्चों को स्कूल भेज दिया जाता है। स्कूल में प्रतिस्पर्द्धा है, लड़ाई है, शिक्षक और छात्र के बीच कोई संबंध नहीं है। तथाकथित शिक्षक और शिष्य के बीच कोई गहरा मानवीय संवाद नहीं है। शिक्षक अपनी ही समस्याओं में उलझा हुआ है। वह क्लास में पाठ शुरू करने से पूर्व बच्चों से शांति, सज्जनता, अच्छाई भरा जीवन जीने के बारे में बातें नहीं कर रहा है। क्या यह भी एक कारण है या कई अन्य कारण भी हैं? आप कोई अखबार उठा लीजिए, उसमें हर रोज आपको किसी न किसी तरह की हिंसा की खबर मिलेगी- किसी का कत्ल हो गया, तो कोई दुष्कर्म या अपहरण का शिकार हो गया। यह हिंसा की भावना हमारे चारों ओर व्याप्त है। ऐसा पूरी दुनिया में हुआ है। क्यों? क्या यह विक्टोरियन आदर्शों की प्रतिक्रिया है या यह इसलिए हुआ कि कुछ विशेषज्ञों ने कहा है, बच्चों को खुद बड़ा बनने दीजिए, उन्हें मत बताएं कि क्या करना है, उन्हें दंडित नहीं करें?

हमारे चारों ओर हवा में इतनी हिंसा है, क्या इसलिए कि हमारे चारों ओर सब कुछ अपना अर्थ खो चुका है? कम्युनिस्ट, अपने प्रभुओं की जुबानी और अपने दर्शन में कहते हैं कि मनुष्य कीड़े-मकोड़े हैं। लाखों-करोड़ों लोगों को खत्म होने दिया गया, क्योंकि उन्हें कीड़े-मकोड़े-सा देखा गया, उनके जैसा ही व्यवहार हुआ। क्या यह भी एक कारण है? युवा पीढ़ी देखती है कि पुरानी पीढ़ी ने दुनिया को शांति नहीं दी, इसलिए वे भी हिंसक होंगे, क्या यह भी वजह है? नौजवान देखते हैं कि उनके चारों ओर सब कुछ एक संघर्ष है; विवाद है; सुरक्षा, सफलता, पद की चाहत है, वे यही अनुसरण करते हैं। हमारे चारों तरफ यही पैटर्न है। और हमें बचपन से ही इसी के लिए शिक्षित किया गया है।

तो इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए, बच्चा क्या करे? वह संवेदनशील, जिज्ञासु, कोमल है, कुछ अवसरों को छोड़ घर में कोई स्नेह या प्यार नहीं, वह माता-पिता को बस झगड़ते, हिंसक देखता है, फिर उससे क्या अपेक्षा करेंगे?

जे कृष्णमूर्ति

> **इस तकनीक का इस्तेमाल मुंबई उपनगरीय रेल सेवा में हो रहा है। इसमें सिगनल से गाड़ी के ब्रेक नियंत्रित किए जाते हैं। मसलन, यदि यह मान लें कि कोरोमंडल एक्सप्रेस का ड्राइवर झूठ बोल रहा है और वह लाल बत्ती को पार करके गाड़ी को लूप लाइन में ले गया। तो, यदि यह स्वचालित चेतावनी तंत्र लगा होता, तब ट्रेन के लूप लाइन में जाते ही उसमें खुद-ब-खुद ब्रेक लग जाते और गाड़ी रुक जाती। हम चाहें, तो यह तंत्र हरेक जगह इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे हमारे देश में रेल यात्रा और अधिक सुरक्षित हो जाएगी।**

वी एन माथुर, पूर्व सदस्य ट्रैफिक, रेलवे बोर्ड

रेल सुरक्षा पर उठे कुछ नए सवाल

बालासोर रेल हादसे पर तमाम तरह की बातें की जा रही हैं। दुर्घटना के कारणों का पता तो जांच के बाद चलेगा, लेकिन शुरुआती तौर पर इसकी तीन वजहें मानी जा सकती हैं। पहली, सिगनलिंग या इंटरलॉकिंग सिस्टम में गड़बड़ी हो, जिससे कोरोमंडल एक्सप्रेस मेन लाइन की जगह लूप लाइन में चली गई। ड्राइवर की मानें, तो उसे ग्रीन सिगनल मिला था। हरी बत्ती का अर्थ ही है, मेन लाइन से गाड़ी आगे बढ़ाना। अगर लूप लाइन के लिए सिगनल मिला होता, तो बत्ती का रंग पीला होता। इसीलिए, सिगनल सिस्टम के नाकाम हो जाने के कयास लगाए जा रहे हैं।

दूसरा कारण यह हो सकता है कि ट्रेन जिस जगह पर एक पटरी से दूसरी पर चढ़ती है, यानी प्वॉइंट के आसपास एक्सेल या पटरी टूटने जैसी अन्य वजहों से कोरोमंडल एक्सप्रेस गलत लाइन पर चली गई हो, और ट्रैक पर खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई। तीसरी वजह, मशीन से छेड़छाड़ हो सकती है। हो सकता है कि आखिरी वक्त में किसी ने प्वॉइंट के साथ गड़बड़ी की हो। जिस ट्रैक पर यह हादसा हुआ, वह 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के लिए अधिकृत है। इस पर आमतौर पर गाड़ियां 110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलती हैं। कोरोमंडल भी कमोबेश इतनी ही तेज चल रही होगी, जिसके कारण दुर्घटना का भयावह असर हुआ है। इसमें हताहतों की संख्या इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि मालगाड़ी लौह अयस्कों से भरी थी और काफी भारी थी, जिस कारण टक्कर के बाद भी वह स्थिर रही और गति तेज रहने के कारण पूरा नुकसान कोरोमंडल एक्सप्रेस को हुआ।

जैसा कि रेल मंत्री भी बता रहे हैं कि शुरुआती संदेह इंटरलॉकिंग सिस्टम की विफलता की ओर है। अगर ऐसा हुआ है, तो यह काफी गंभीर मसला है। इंटरलॉकिंग काफी सुरक्षित तकनीक मानी जाती है। इसमें सिगनल तभी हरा होता है, जब इससे जुड़ी प्रक्रिया पूरी होती है। इंटरलॉकिंग का मतलब ही है, सिगनल और प्वॉइंट के बीच एकरूपता। इसे तीन हिस्सों में बांट सकते हैं। पहला, प्वॉइंट और रूट (जिस पटरी से ट्रेन गुजरनी है) तय किए जाएं। दूसरा, रूट खाली हो, यानी उस पर कोई दूसरी गाड़ी न हो (मगर बालासोर में पटरी पर मालगाड़ी खड़ी थी)। और तीसरा, ट्रैक सर्किट व्यवस्था दुरुस्त हो। ट्रैक सर्किटिंग आजकल तमाम स्टेशनों पर होती है। इसमें सिगनल तभी हरा होता है, जब ट्रैक खाली हो, यानी उस पर कोई अन्य गाड़ी न खड़ी हो। जब तक ये तीनों प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक ट्रेन को हरी बत्ती नहीं मिल सकती है।

इंटरलॉकिंग पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक तरीके से नियंत्रित होती है। इसमें स्टेशन मास्टर के ऑफिस में एक पैनल लगा होता है, जिसमें चिप या कार्ड लगे होते हैं। यहीं बटन से स्टेशन मास्टर पहले ट्रेन का रूट तय करता है, फिर प्वॉइंट बदलता है, इसके बाद वेरिफाई की जाती है, और अंत में सिगनल हरा होता है। अगर स्टेशन मास्टर जान-बूझकर इसमें छेड़छाड़ करना चाहे, तब भी वह कुछ नहीं कर सकता। इसी कारण, यह माना जाता है कि इंटरलॉकिंग अगर काम कर रही होती, तो ऐसी दुर्घटना नहीं हो सकती थी। इसलिए संभव है कि सर्किट में कुछ दिक्कत आ गई होगी। हालांकि, तकनीकी चूक कहीं भी हो सकती है। इंटरलॉकिंग सिस्टम के भी नाकाम होने की 0.01 फीसदी गुंजाइश होती है।

सच यही है कि पहले की तुलना में अब अपने देश में रेल हादसे काफी कम होने लगे हैं। रेल सुरक्षा में भारत का प्रदर्शन काफी सुधर गया है। इसकी बड़ी वजह यही है कि हम लगातार नई तकनीक अपना रहे हैं। पटरियों को अपग्रेड किया जा रहा है। सिगनलिंग और इंटरलॉकिंग को लगातार बेहतर बनाया जा रहा है। और, सुरक्षा उपायों पर निवेश किया जा रहा है। इस कारण, रेल हादसे अनवरत कम हो रहे हैं। देश में 2010-2011 में 139 दुर्घटनाएं हुई थीं, जो 2011-12 में 131, 2012-13 में 120, 2013-14 में 117... और इस तरह घटते-घटते साल 2019-20 में 54, 2020-21 में 21 हो गईं। यह तस्वीर तब है, जब पटरियों पर ट्रेनों की संख्या अनवरत बढ़ रही है।

अब रेल परिचालन काफी हद तक अत्याधुनिक तकनीक की मदद से होने लगा है। हम यही मानते हैं कि यह शत-प्रतिशत सुरक्षित होती है। इसमें दूर बैठा कोई भी शख्स सिस्टम में सेंध नहीं लगा सकता। हैकर भी कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि यह इंटरनेट की सहायता से संचालित नहीं की जाती। यह स्थानीय स्तर पर नियंत्रित है और स्टेशन के नजदीकी क्षेत्रों में संचालित होती है।

आरोप लगाया जाता है कि भारतीय रेल मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर कमजोर है। वास्तव में, हम इसमें लगातार सुधार कर रहे हैं। सुरक्षा उपायों की लगातार निगरानी की जाती है। हर स्टेशन पर प्वॉइंट ऐंड क्रॉसिंग रजिस्टर होता है, जिसमें सिगनल के सुपरवाइजर और सिविल इंजीनियरिंग के कर्मी नियमित अंतराल पर प्वॉइंट के निरीक्षण करने के बाद रिकॉर्ड दर्ज करते हैं। बालासोर में ऐसा किया गया अथवा नहीं, यह फिलहाल जांच का विषय है। मगर इस एक हादसे के कारण पूरे तंत्र को सवालों में लाना उचित नहीं होगा। हम लगातार सुधार कर रहे हैं। ट्रैक, वेगन, सिगनलिंग आदि से जुड़ी तमाम तकनीकों पर काम हो रहा है। कर्मचारियों को लगातार प्रशिक्षण दिया जाता है। हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए कि ऐसी दुर्घटनाओं को हल्के में लिया जा रहा है। यह एक भयावह हादसा है और एक भी इंसानी जान की भरपाई करना नामुमकिन है।

आखिर ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय क्या हो सकते हैं? एक बड़ी राहत ऑटोमेटिक वार्निंग सिस्टम से मिल सकती है। इस तकनीक का इस्तेमाल मुंबई उपनगरीय रेल सेवा में हो रहा है। इसमें सिगनल से गाड़ी के ब्रेक नियंत्रित किए जाते हैं। मसलन, यदि यह मान लें कि कोरोमंडल एक्सप्रेस का ड्राइवर झूठ बोल रहा है और वह लाल बत्ती को पार करके गाड़ी को लूप लाइन में ले गया। तो, यदि यह स्वचालित चेतावनी तंत्र लगा होता, तब ट्रेन के लूप लाइन में जाते ही उसमें खुद-ब-खुद ब्रेक लग जाते और गाड़ी रुक जाती। हम चाहें, तो यह तंत्र हरेक जगह इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे हमारे देश में रेल यात्रा और अधिक सुरक्षित हो जाएगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

कर्नाटक में वादे निभाने की बढ़ती मांग और मुश्किलें

यह कर्नाटक में कांग्रेस के लिए लौटाने का समय है, उसे पैसा वहां लगाना होगा, जहां उसने वादा किया है। पार्टी को विधानसभा चुनाव में किए गए पांच वादों के चलते भारी बहुमत हासिल हुआ है। अब मतदाता उम्मीद लगाए बैठे हैं कि सरकार वादे पूरे करेगी। मुख्यमंत्री का पद संभालने के तुरंत बाद सिद्धारमैया ने कैबिनेट के फैसले पर हस्ताक्षर करके पांच चुनावी वादों को पूरा करने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराई है, जिससे सरकारी खजाने पर करीब 50,000 करोड़ रुपये का भार पड़ने का अनुमान है। कर्नाटक में नौकरशाही आजकल इन लोक-लुभावन फैसलों को लागू करने से पहले नियम और दिशा-निर्देश बनाने में व्यस्त है। राज्य में भाजपा में विरोध के स्वर हैं, यह पार्टी चुनाव हार गई है, तो रोष से भड़की हुई है।

लोगों की अधीरता साफझलक रही है। कर्नाटक में कुछ ग्रामीण बिजली बिल चुकाने से इनकार करने लगे हैं। कुछ जगहों पर महिलाएं सरकारी बसों में टिकट के पैसे देने से इनकार कर दे रही हैं। जद (एस) के नेता एचडी कुमारस्वामी और भाजपा के आर अशोक नाराज मतदाताओं को उकसा रहे हैं कि वे बिजली बिल का भुगतान न करें और सरकार को वादों को पूरा करने को मजबूर करें। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में मासिक आधार पर प्रति घर 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया है; प्रत्येक व्यक्ति को हर महीने 10 किलो मुफ्त चावल देने का वादा किया है; घर चलाने वाली प्रत्येक महिला को 2,000 रुपये हर महीने देने की गारंटी दी है; बेरोजगार स्नातकों को 3,000 रुपये और डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपये की राहत देने की घोषणा की है। इसके अलावा पार्टी ने सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का वादा भी कर रखा है।

भाजपा विरोध कर रही है कि इन वादों को पूरा करना मुफीद नहीं है। विरोधियों का दावा है कि ऐसे लोक-लुभावन वादों को पूरा करना राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी है। यह और बात है कि भाजपा ने भी अपने घोषणापत्र में ऐसे ही लोक-लुभावन वादे किए थे। गरीब परिवारों के लिए हर साल तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर, हर दिन आधा लीटर नंदिनी दूध; परिवारों को हर महीने पांच किलो मुफ्त चावल और पांच किलो मुफ्त मोटा अनाज। खैर, कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई घोषणाएं शायद अधिक आकर्षक साबित हुईं।

विपक्षी पार्टियां घोषित वादों को मुफ्त उपहार बता रही हैं, जबकि कांग्रेस उन्हें सशक्तीकरण और लोगों के हक के रूप में वर्णित कर रही है। कांग्रेस का बचाव करते हुए राज्य सरकार के एक मंत्री ने एक कहावत को याद करते हुए कहा है कि 'यदि आप एक आदमी को एक मछली देते हैं, तो आप उसे एक दिन के लिए खिलाते हैं। यदि आप एक आदमी को मछली पकड़ना सिखाते हैं, तो आप उसे जीवन भर के लिए खिलाते हैं, लेकिन हम मानते हैं कि मछली पकड़ने वाले हाथों में कुछ न्यूनतम शक्ति होनी चाहिए।'

कर्नाटक के इस मंत्री का दावा है कि सरकार लोगों को ताकत देने की कोशिश कर रही है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या राज्य की अर्थव्यवस्था इन खर्चों को उठा सकती है? राज्य ने 53,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का बजट रखा है, जो कुल खर्च का लगभग एक चौथाई है। 50,000 करोड़ रुपये का नया खर्च बेशक अर्थव्यवस्था पर ज्यादा दबाव डालेगा। तय है, कर्नाटक के खर्चे बढ़ेंगे और उसे अधिक राजस्व मिलना चाहिए। अभी एक बड़ा मुद्दा यह है कि अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक को भी केंद्र सरकार से पर्याप्त राजस्व सहायता नहीं मिल रही है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि केंद्र सरकार अपने कुल राजस्व का सिर्फ30 से 31 प्रतिशत ही राज्यों को हस्तांतरित कर रही है। राज्यों को अपनी इच्छानुसार खर्च करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

कर्नाटक सरकार द्वारा घोषित लगभग सभी योजनाओं को अन्य राज्यों ने किसी न किसी रूप में लागू कर रखा है। मुफ्त बिजली योजना दिल्ली और पंजाब में पहले से ही है। मुफ्त राशन योजना, मुफ्त यात्रा भी कुछ राज्यों में है। केंद्र सरकार भी ऐसी योजनाएं चलाती है। एक संघीय ढांचे में राज्यों को अपने विवेक का प्रयोग करने की स्वतंत्रता होनी ही चाहिए, बशर्ते वे अपने बजट को संतुलित रखने में सक्षम हों।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अजीत द्विवेदी

मोदी को वोट के मूड का आधार क्या?

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर कई तरह के सर्वेक्षण हुए, जिनसे मोदी सरकार की लोकप्रियता बरकरार रहने का निष्कर्ष जाहिर हुआ। यह भी बताया गया कि प्रधानमंत्री के लिए मोदी सबसे ज्यादा लोगों की पसंद हैं और अगर आज चुनाव हो तो उनको पिछली बार से कुछ ज्यादा वोट मिलेंगे। ध्यान रहे मोदी का लगातार दूसरा कार्यकाल पूरा होने वाला है। उससे पहले यदि देश में यह राय है तो यह सरकार की बड़ी सफलता है। हालांकि इन सर्वेक्षणों की गुणवत्ता और वस्तुनिष्ठता को लेकर उठने वाले सवाल अपनी जगह हैं। यह भी सही है कि इससे देश के 90 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं की पसंद जाहिर नहीं होती है इसके बावजूद इनसे देश के लोगों के मूड और उनके रूझान का पता चलता है।

निजी तौर पर मोदी की और उनकी सरकार की लोकप्रियता का डंका बजाने वाले इन सर्वेक्षणों से कुछ और बातें जाहिर हुई हैं। जैसे जनता महंगाई से त्रस्त है। बेरोजगारी की चिंता में है। गरीबी बढ़ने से परेशान है। भ्रष्टाचार को एक बड़ी समस्या मानती है। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मुश्किल में है। देश की सबसे भरोसेमंद एजेंसियों में से एक सीएसडीएस के सर्वेक्षण के मुताबिक 57 फीसदी लोग महंगाई से परेशान हैं। सर्वेक्षण में शामिल 45 फीसदी लोगों ने माना की भ्रष्टाचार रोकने के मामले में सरकार ने बुरा काम किया है। इसके अलावा आठ फीसदी ने माना की इस मामले में सरकार का काम औसत है। इसका मतलब है कि भ्रष्टाचार पर 53 फीसदी लोग सरकार के काम से संतुष्ट नहीं हैं। किसानों के लिए 39 फीसदी ने सरकार के कामकाज को अच्छा माना है और 46 फीसदी ने खराब माना है। जब यह सवाल पूछा गया कि देश के सामने सबसे बड़ी समस्या क्या है तो 29 फीसदी के सबसे बड़े समूह ने बेरोजगारी को सबसे बड़ी समस्या बताया।

तभी सवाल है कि जब महंगाई, भ्रष्टाचार और गरीबी देश की बड़ी समस्या बनी हुई है तो इन्हें खत्म करने के नाम पर बनी सरकार को फिर से वोट डालने का आधार क्या है? किस आधार पर पहले से दो फीसदी ज्यादा लोगों ने उसी सरकार को वोट करने का रूझान जाहिर किया, जिसने सबसे कोर मुद्दों पर लोगों को निराश किया है? जिस सरकार में लोग महंगाई कम होने, भ्रष्टाचार समाप्त होने, गरीबी दूर होने और अच्छे दिन आने की उम्मीद लगाए हुए थे उस सरकार में अगर महंगाई, गरीबी और भ्रष्टाचार बढ़ा है तो लोगों को इस मुद्दे पर सरकार को सजा देनी चाहिए या समर्थन करना चाहिए? हैरानी की बात है कि सभी अहम मसलों पर सफल नहीं होने के बावजूद कोई राजनीतिक कीमत भाजपा की मौजूदा सरकार को नहीं चुकानी पड़ी है। और कम से कम सर्वेक्षणों में जो दिख रहा है उससे लग रहा है कि आगे भी इसकी कोई कीमत नहीं चुकानी पड़ेगी। हां, राज्यों में जरूर भाजपा कुछ जगह हारी है लेकिन उसके कारण अलग अलग रहे हैं और लगभग पूरी तरह से स्थानीय हैं। कहीं से ऐसा जाहिर नहीं हुआ है कि लोग भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से नाराज हैं। उलटे नरेंद्र मोदी का चेहरा प्रदेशों के चुनाव में भी भाजपा का वोट सुरक्षित रखने में मदद करता है या उसे बढ़ाता है।

ऐसा होने के कई कारण हैं, जिनमें से एक कारण हाल में हुए सर्वेक्षणों से भी जाहिर हुआ है। तमाम अहम मसलों पर केंद्र सरकार की विफलता या आंशिक सफलता की राय जाहिर करने वाली जनता भी यह मान रही है कि देश में विकास हुआ है। इस पर बहस हो सकती है लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि यह धारणा देश में बनी है। तटस्थता का दावा करने वाले कई स्तंभकारों ने भी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर जो लिखा उसमें कहा कि उन्होंने अपने जीवन में बुनियादी ढांचे का इतना तेज विकास नहीं देखा। प्रचार, भाषण और लेखों के जरिए विकास होने का नैरेटिव बनाया गया है। सीएसडीएस के सर्वेक्षण में भी दिखा कि 47 फीसदी लोगों ने माना की बहुत अच्छा विकास हुआ है और आठ फीसदी ने औसत विकास होने की बात कही। यानी 55 फीसदी लोग विकास के मामले में संतुष्ट हैं। विकास का नैरेटिव बनाने के साथ ही दो और चीजें इससे जोड़ी गई हैं। पहली कि अब तक आजादी के बाद कोई विकास नहीं हुआ था। दूसरी कि भारत के विकास से दुनिया भर में जो भारत के दुश्मन हैं वे परेशान हैं और भारत के खिलाफ माहौल बना रहे हैं और विपक्ष उनके साथ जुड़ा हुआ है। सो, पहला कारण तो यह है कि विकास की धारणा और उसके साथ जुड़ा नैरेटिव बाकी कमियों को ढक देता है।

लोग भ्रष्टाचार, गरीबी और बेरोजगारी से चिंतित हैं लेकिन यह उनके वोट डालने का आधार नहीं है तो उसका एक कारण राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रवाद और नरेंद्र मोदी का मजबूत नेतृत्व है। पिछले नौ साल में अलग अलग तरीकों के इस्तेमाल से मोदी की छवि मजबूत और निर्णायक नेता की बनी है। उनके 56 इंची छाती के जुमले का चाहे जितना मजाक उड़ाएं, लेकिन लोगों के मन में यह बात बैठी है कि वे एक मजबूत नेता हैं और देशहित में फैसले करते हैं। अनुच्छेद 370 समाप्त करना इसकी सबसे बड़ी मिसाल है। अपनी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री ने अपने भाषण से भी इस धारणा को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि नौ साल के अपने कार्यकाल में उनका एक एक फैसला देश और इसके नागरिकों के हित में हुआ है। इसके आगे उन्होंने कहा नहीं लेकिन कहने का आशय यह था कि हो सकता है कि कुछ फैसले गलत हुए हों लेकिन उनकी मंशा गलत नहीं थी। यही कारण है कि कई मामलों में सरकार की विफलता मोदी के नेतृत्व के ऊपर नहीं चिपकती है और लोग उनको सजा देने के बारे में नहीं सोचते हैं।

मजबूत नेतृत्व के साथ साथ अपने नेतृत्व और व्यक्तित्व को उन्होंने देश की पहचान से जोड़ दिया है। प्रचार, भाषणों और एक खास समूह के विद्वानों के लेखों के सहारे काफी हद तक यह स्थापित करने की सफल कोशिश हुई है कि मोदी ही देश हैं। उनकी आलोचना करने का मतलब है देश की आलोचना करना। पिछले दिनों लंदन में राहुल गांधी के दिए एक भाषण का हवाला देते हुए भाजपा के कई नेताओं ने कहा कि राहुल ने लंदन में मोदी का अपमान करके देश का अपमान किया है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जिला प्रशासन की अभिनव पहल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए युवाओं को मिलेगी निःशुल्क कोचिंग

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा जिले के स्थानीय युवाओं को यूपीएससी, सीजीपीएससी, सीजी व्यापम एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग अनुबंधित निजी कोचिंग संस्था के माध्यम से प्रदान किया जाना है। इसके लिए विद्यार्थियों का चयन प्राक्कयन परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। प्राक्कयन परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों से 8 जून 2023 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। प्राक्कयन परीक्षा तिथि 9 जून 2023 को निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को प्राक्कयन परीक्षा के लिए समय और स्थान अलग से सूचित किया जाएगा। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन लिंक पर कर सकते है। प्राक्कयन परीक्षा ओएमआर एवं वैकल्पिक प्रश्नों पर आधारित होगी, जिसमें कुल 100 प्रश्न पुछे जाएंगे, जिसके पाठ्यक्रम में छत्तीसगढ़ व भारत का सामान्य ज्ञान, गणित तथा रिजनिंग, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा, सामान्य विज्ञान तथा समसमायिकी विषय शामिल होंगे। किसी भी संकाय में स्नातक अंतिम वर्ष में अध्ययनरत, स्नातक, स्नातकोत्तर अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने वाले बेरोजगार युवाओं को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। अभ्यर्थी को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले का मूल निवासी होना अनिवार्य है। आवेदन के लिए अभ्यर्थी की अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष निर्धारित की गई है।

संसदीय सचिव ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

महासमुंद। विश्व पर्यावरण दिवस पर संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पौधरोपण से ज्यादा जरूरी पौधों का संरक्षण है। इसके लिए सभी नागरिकों को आगे आने की जरूरत है। आज सोमवार को वन विभाग द्वारा पर्यावरण दिवस के मौके पर रैली निकालकर पौधरोपण के लिए लोगों को जागरूक किया गया। बाद इसके स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। बाद इसके अन्य अतिथियों ने भी पौधरोपण किया। अपने संबोधन में संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने पौधरोपण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण की दृष्टि से पौधरोपण करना बहुत ही जरूरी है। पेड़-पौधे हमारे जीवन में बहुत महत्व रखते हैं। इनसे पृथ्वी पर ऋतु चक्र बना रहता है। चक्र को संतुलित बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना जरूरी है। उन्होंने आमजन से पौधा लगाने और अन्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मण्डल को तीन विश्व रिकार्ड प्राप्त

पर्यावरण संरक्षण के लिये जन-भागीदारी जरूरी: मो. अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल को 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तीन विश्व रिकार्ड प्राप्त हुए। इनमें गोबर पेंट से 3600 स्क्वैयर फीट की कैनवास पेंटिंग बनाये जाने पर लिमका बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड, एक दिन में 12 लाख 38 हजार 116 पर्यावरण संरक्षण की शपथ लिये जाने पर स्टार बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड और वर्ल्ड रिकार्ड बुक की ट्राफियॉ व प्रमाण-पत्र मंत्री श्री मोहम्मद अकबर द्वारा मण्डल के अध्यक्ष श्री सुब्रत साहू को प्रदान किए।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण में जन-भागीदारी को जरूरी बताते हुए मण्डल के जन-जागरूकता अभियान की प्रशंसा की। श्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि प्लास्टिक के उन्मूलन हेतु हम सबकी भागीदारी जरूरी है। हमारे पूर्वजों ने विरासत में स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण सौंपा है।

हम सब का दायित्व है कि उसे और बेहतर करते हुए भावी पीढ़ी को सौंपे। श्री अकबर ने छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ''व्यक्तिगत आदतों और व्यवहारों में परिवर्तन लाकर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग में कमी करना'' विषय पर आधारित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति और जीवन के बीच गहरा संबंध होता है। इसके संरक्षण तथा संवर्धन में ही जीवन की सुरक्षा और हमारे भविष्य की खुशहाली निर्भर है। वर्तमान में पर्यावरण का संरक्षण व प्रदूषण पर रोकथाम अत्यंत आवश्यक है और इसमें हम सबकी भागीदारी होनी चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ विधायक सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि प्रकृति हमारी धरोहर है और इसे बचाने के लिये पूरे विश्व को एकजुट होकर सामूहिक प्रयास करना होगा। मण्डल के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू ने मण्डल के कार्यकलापों की जानकारी देते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोके जाने के लिये व्यक्तिगत प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने मण्डल द्वारा जनभागीदारी के साथ प्राप्त तीनों विश्व रिकार्ड की जानकारी दी और मण्डल को इसके लिये बधाई दी।

मण्डल के सदस्य सचिव श्री आर.पी. तिवारी ने कहा कि मण्डल द्वारा चलित प्रयोगशाला वाहन शीघ्र ही प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने मण्डल द्वारा तैयार की जा रही अत्याधुनिक पर्यावरणीय प्रयोगशाला का उल्लेख करते हुए इसे अंतराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला बताया। उन्होंने मण्डल के क्षेत्रीय कार्यालय के नवनिर्मित भवन के संबंध में भी जानकारी दी।

मण्डल के जनसंपर्क अधिकारी श्री ए.पी. सावंत ने मण्डल को प्राप्त वर्ल्ड रिकार्ड की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें मुख्यमंत्री की जनभागीदारी अपील का प्रभाव पड़ा और हर समुदाय व हर वर्ग के लोगों ने मण्डल की इस मुहिम का साथ दिया। इस अवसर पर कार्टून वॉच पत्रिका के नेशनल पुरस्कार भी वितरित किए गए। इस अवसर पर संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा आदि उपस्थित थे।

जन-जन तक पहुंचाएं छत्तीसगढ़ की फ्लैगशिप योजनाएं: लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की फ्लैगशिप योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया जाए, जिससे कि अंचल के सुदूर वनांचलों में रहने वाले ग्रामीणों के जीवन स्तर में तेजी से परिवर्तन लाया जा सके। सोमवार को जगदलपुर स्थित जिला कार्यालय में आयोजित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान उद्योग मंत्री श्री लखमा ने यह बात कही।

उद्योग मंत्री लखमा ने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं को शासन-प्रशासन के समक्ष रखते हैं, तो प्राथमिकता के साथ इसका निराकरण करें। उन्होंने जिले में खाद-बीज का भण्डारण और वितरण की जानकारी ली और समय पर किसानों को वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कोया कुटमा समाज और आदिवासी भवन के निर्माण कार्य में देरी पर नाराजगी जाहिर करते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्माण कार्य में प्रगति लाने और अन्य सामाजिक भवनों के निर्माण कार्य को अगस्त माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र और उचित मूल्य की दुकानों के भवन निर्माण का कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

समीक्षा के दौरान मिलेट मिशन के तहत कोदो-कुटकी, रागी, कोसरा की बीज की उपलब्धता तथा समर्थन मूल्य में खरीदी का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। स्कूल जतन योजना के तहत शालाओं की जा रही जीर्णोद्धार कार्य को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से पूर्व सामाजिक परिस्थिति प्रमाण पत्र जारी करने के कार्य में तेजी लाने तथा लंबित प्रकरणों का निराकरण जल्द करने पर भी जोर दिया गया। गौठानों में कार्ययोजना के आधार पर किए जा रहे कार्यों और मदों का उल्लेख करते हुए जानकारी प्रदर्शित करने तथा लंपी वायरस पर नियंत्रण के लिए टीकाकरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

विभागीय कार्यों की समीक्षा में खरीफ 2023 के लिए बीज की मांग भण्डारण-वितरण, मिलेटस मिशन के तहत कोदो-कुटकी की खेती, किसान क्रेडिट कार्ड, बाड़ी विकास योजना, कॉफी-पॉम आईल प्लांट टेशन, शूकर पालन, डेयरी विकास, गोधन न्याय योजना, गोठानों में पानी की उपलब्धता, मनरेगा, नरवा विकास, प्रधानमंत्री आवास योजना, आवर्ती चराई, भवनविहीन, आंगनबाड़ी और उचित मूल्य की दुकान, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, कुपोषण के लिए प्रयास, मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक, वनाधिकार मान्यता पत्र वितरण, तेंदूपत्ता खरीदी, बेरोजगारी भत्ता, राजीव मितान क्लब, राशन कार्ड, उद्योग एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन की योजनाएं, सी-मार्ट, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग, जल-जीवन मिशन, अमृत मिशन, डीएमएफ्टी मद से स्वीकृत कार्यों की प्रगति और पुलिस विभाग से सुरक्षा व्यवस्था व सड़कों के विकास के संबंध में समीक्षा की गई।

बैठक में सांसद दीपक बैज, बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, संसदीय सचिव रेखचंद जैन, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष व नारायणपुर विधायक चंदन कुमार, महापौर श्रीमती सफीरा साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, इंद्रावती विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर विजय दयाराम के., वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मीणा, वनमण्डलाधिकारी डीपी साहू, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रकाश सर्वे व अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

क्लिनिकल ब्रेस्ट एक्जामिनेशन का हुआ सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला चेम्बर की अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा ने बताया कि 3 जून 2023 को महिला चेंबर एवं एसोसिएशन ऑफ अपोलो क्लीनिक के संयुक्त तत्वाधान में क्लिनिकल ब्रेस्ट एक्जामिनेशन का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. मंजू सिंह और डॉ. अंजना निगम के संरक्षण 50 से अधिक महिलाओं ने क्लिनिकल ब्रेस्ट एक्जामिनेशन का लाभ उठाया। श्रीमती मधु अरोरा ने आगे बताया कि महिलाएं परिवार का आधार स्तंभ होती है।

इसलिए जीवन के हर चरण में उनका मजबूत एवं स्वस्थ्य अति आवश्यक है। जीवन के विभिन्न पड़ाव में महिलाओं को बहोत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण वे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। इसी विषय के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया ताकि कोई भी बीमारी अगर शुरुआती दौर में पता चल जाए तो उसके ठीक होने की बहुत संभावना होती है। कार्यक्रम में महिलाओं के क्लिनिकल ब्रेस्ट एक्जामिनेशन के साथ ही डॉक्टरों द्वारा प्रत्येक महिला की जांच की गई और आत्म परीक्षण का प्रशिक्षण भी दिया गया क्योंकि हर एक महिला का स्वस्थ रहना जरूरी परिवार और समाज के लिए आवश्यक है और ये हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है कि जो सबका खयाल रखती हैं उनका खयाल हमें भी रखनी चाहिए।

पुलिस की पहली प्राथमिकता महिलाओं की सुरक्षा होनी चाहिए: रतन लाल डांगी

महिला सुरक्षा एवं उनके विरुद्ध घटित अपराध के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस अकादमी चंद्रखुरी में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों के विवेचक एवम् राजपत्रित अधिकारियों को महिला सुरक्षा एवं उनके विरुद्ध घटित अपराध के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है. राष्ट्रीय अपराध एवं अन्वेषण ब्यूरो के निर्देशन में आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए अकादमी के निदेशक श्री रतन लाल डांगी ने ये बात कही।

श्री डांगी ने कहा कि जब तक महिलाओं में उनके विरुद्ध घटित होने वाली घटनाओं का भय एवं डर ख़त्म नहीं किया जाएगा तब तक न ही समाज एवं न राष्ट्र का विकास हो पाएगा।

उन्होने कहा कि महिलाओं के प्रति बढ़ते हुए अपराधों पर नियंत्रण रखने के लिए पुलिस के विवेचक एवं राजपत्रित अधिकारियों की यह जिम्मेदारी होती है की वो महिला संबंधी किसी भी प्रकार के अपराध घटित होने की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल अपराध दर्ज कर विवेचना करके अपराधियों के खिलाफ मामले को ठोस सबूतों के साथ न्यायालय में पेश करे ।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि पुलिस को ऐसे सार्वजनिक स्थान जैसे स्कूल, कॉलेज, बस स्टैंड, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बाज़ार या अन्य जगहों पर जहाँ महिलाओं की उपस्थिति बनी रहती है, लगातार पुलिस के द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर असामाजिक तत्वों पर निगाह रखनी चाहिए।

उन्होनें आगे कहा कि पुलिस अधिकारियों को इस बात पर भी गर्व महसूस करना चाहिए कि भगवान ने उनको सुरक्षा देने के लिए चुना है। पुलिस के रूप में आम नागरिकों एवं कमज़ोर लोगों की सुरक्षा के लिए आपको अवसर दिया है। इस दायित्व को पूरा करने के लिए आपको शासन ने वैधानिक अधिकार भी दिए हैं । उन अधिकारों का सदुपयोग करके महिलाओं में आत्म-विश्वास पैदा करना चाहिए।

इस पाँच दिवसीय कार्यशाला में सभी पुलिस अधिकारियों को महिलाओं से संबंधित कानूनी प्रावधानों में नवीनतम संशोधनों एवं वैज्ञानिक अनुसंधान की प्रक्रियाओं से अवगत कराया जाएगा। साथ ही माननीय न्यायालयों द्वारा प्रसारित दिशा निर्देश के संबंध में भी बताया जाएगा। इस कार्यशाला में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कालेज परिसर में पौधा रोपण किया गया

कांकेर। पृथ्वी विभिन्न जीवों का घर है हम सभी हवा, पानी, आश्रय, भोजन और अन्य जरूरतों के लिए पर्यावरण पर निर्भर है। विश्व पर्यावरण दिवस एक अभियान है वातावरण को स्वच्छ बनाने का। यह हर वर्ष 05 जून को 100 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम को उजागर करना और पर्यावरण की रक्षा करने के लिए जागरूक करना है। हम सभी को विदित है कि वन मंत्रालय एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने उच्च शिक्षा विभाग में पर्यावरण अध्ययन को अनिवार्य किया है। महाविद्यालय कांकेर के प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन में महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना, एन.सी.सी. इंको क्लब, रेड क्रॉस के संयुक्त उत्वाधान में पौधा रोपण का आयोजन किया गया।

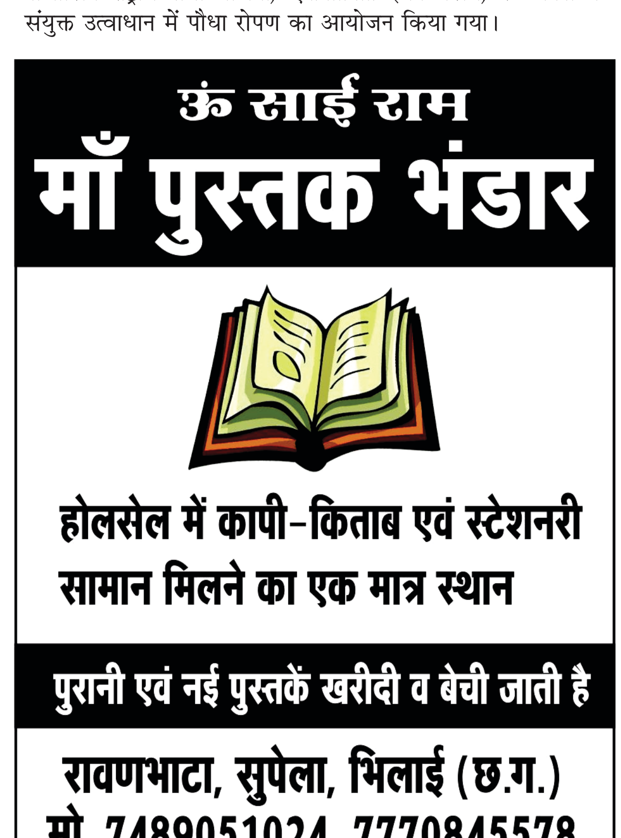

खास खबर...

सरकार ने गौठनों के माध्यम से दिया रोजगारः उषा निषाद

रायपुर। स्पर्श आकाक्षां स्व-सहायता समूह सोण्ड्रा की महिलाएं वर्मी खाद विक्रय से प्राप्त आय से घर की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने मे अपनी योगदान दे रहीं है। समूह की दीदीयों ने बताया कि अब तक समूह को ढाई लाख रुपए से अधिक का आय अर्जित हो चुका है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़ने पर उन्हें आजीविका गतिविधियों में शामिल होने का सुअवसर प्राप्त हुआ तथा उनके जीवन में सामाजिक और आर्थिक रूप से सकारात्मक परिवर्तन आया है। दीदियों ने बताया कि एक निश्चित आय अर्जित होने से सामाजिक, पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने में अब वे मदद करने में सक्षम हो चुकी हैं। बेरोजगारों को रोजगार देने में छत्तीसगढ़ की सरकार ने राज्य में बेरोजगारी खत्म करने में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इसके लिए सरकार ने सभी वर्गों के लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित की है। गोधन न्याय योजना सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। गौठानों में संचालित विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं यह कहना है स्पर्श आकांक्षा स्व सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती उषा निषाद का। निषाद ने बताया कि उनके समूह की दीदियां शुरुआत से ही वर्मी कंपोस्ट निर्माण कर रही हैं। उन्हें वर्मी खाद और सुपर कंपोस्ट बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण भी मिला है तथा वे शासन के मापदंडों के अनुरूप ही कंपोस्ट बनाती हैं। वर्मी कंपोस्ट का विक्रय कुम्हारी सोसाइटी में किया जाता है तथा समय पर उन्हें पैसा भी मिल जाता है। उन्होंने बताया कि विक्रय के लिए अभी 100 क्विंटल वर्मी कंपोस्ट उपलब्ध है। गौठान में 20 वर्मी टांका बनाया गया है तथा केंचुआ की खरीदी मोहदी और गोढ़ी गौठान से करते हैं। समूह की दीदियों ने यह भी बताया कि वर्तमान में शासन से उन्हें 50 हजार की राशि भी प्राप्त हुई है। उन्होंने एक उत्पादक समूह भी बनाया है। समूह की दीदिया मिलकर सब्जी भाजी आदि का उत्पादन भी करेंगे।

जून माह के अंत तक सड़कों के संधारण का कार्य पूर्ण किया जाए : ताम्रध्वज साहू

कोरिया। लोक निर्माण, गृह, जेल, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज कोरिया तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि अधिकारी निरंतर जिले का भ्रमण करें शासकीय योजनाओं का जमीनी रूप से क्रियान्वयन की समीक्षा करें। यह प्रयास करें कि आम जनता को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिलें। सड़कों की स्थिति के सम्बंध में पीएमजीएसवाई तथा पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि जून माह के अंत तक सड़कों के संधारण कार्य पूर्ण कर लिया जाए। प्रभारी मंत्री ने बैठक में कहा कि जिला कलेक्टर प्रत्येक साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में विभागीय योजनाओं की नियमित समीक्षा । राजस्व अधिकारी नामांतरण सीमांकन के प्रकरणों की समीक्षा कर निराकरण की कार्यवाही करें। लम्बित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाएं, जिससे आमजन को लाभ हो। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। गोधन न्याय योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने जिले में स्वावलंबी गौठानो की जानकारी ली तथा आजीविका गतिविधियां बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। इसी तरह उन्होंने लोक निर्माण विभाग, खनिज, श्रम, उद्योग, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, पंचायत सहित विभिन्न शासकीय विभागों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू कोरिया मिलेट्स कैफे पहुंचे। उन्होंने कैफे में पहुंचते साथ ही कैफे की खूबसूरती की तारीफकरते हुए जिला प्रशासन की सराहना की। उन्होंने कैफे का संचालन कर रही दीदियों से चर्चा की तथा उनका उत्साहवर्धन किया। मिलेट्स व्यंजनों में उन्होंने किनवा उपमा, कोदो की खीर, रागी का चीला, ज्वार गुलाब जामुन, मिलेट्स लस्सी तथा अन्य व्यंजनों का स्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने किसानों से की अपील

आगामी खरीफ सीजन में जैविक खाद और जैविक कीटनाशक का अधिक से अधिक करें उपयोग

मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को 21.31 करोड़ रूपए की राशि का किया ऑनलाईन अंतरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसानों से आगामी खरीफसीजन में खेती-किसानी में जैविक खाद और जैविक कीटनाशक का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि गोधन न्याय योजना के तहत गौठनों में जैविक खाद और जैविक कीटनाशक महिला समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे हैं। गौठनों में ये उत्पाद भरपूर मात्रा में उपलब्ध है। इनके उपयोग से जमीन की उर्वरता बढ़ेगी और खेती की लागत भी कम होगी।

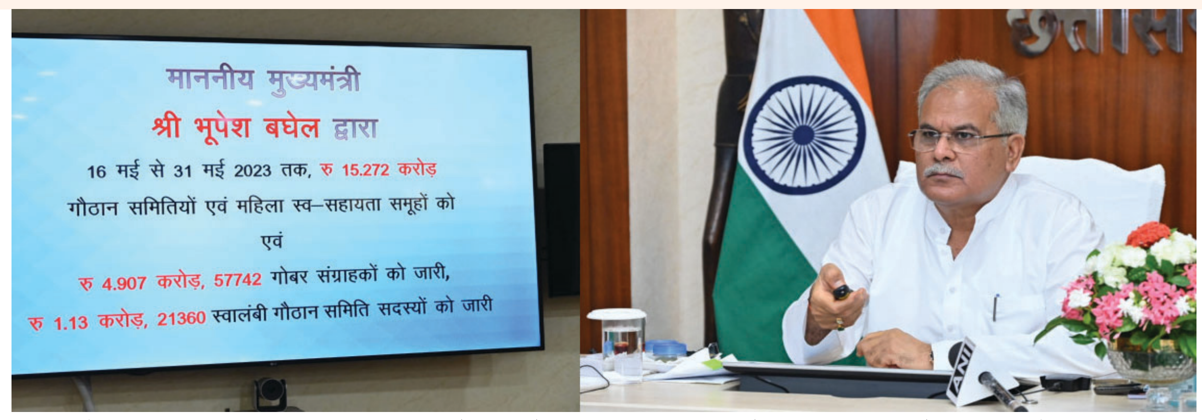

मुख्यमंत्री श्री बघेल आज अपने निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को राशि के ऑनलाइन अंतरण के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस की प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले मानसून में ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें और अपने गांव, गौठान, खेतों और जंगलों को खूब हरा-भरा बनाएं। मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ कमलप्रीत सिंह, नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी योजना के नोडल अधिकारी डॉ अयाज तंबोली, संचालक कृषि श्रीमती रानू साहू भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में गोधन योजना के हितग्राहियों के खाते में ऑनलाईन 21.31 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की। इस राशि में 16 मई से 31 मई तक गौठानों में क्रय किए गए गोबर के एवज में ग्रामीण पशुपालकों 4.91 करोड़ रूपए तथा गौठान समितियों को 8.98 करोड़ एवं स्व-सहायता समूहों को 6.29 करोड़ रूपए की लाभांश राशि तथा गौठान समितियों ने अध्यक्षों और सदस्यों के मानदेय की 1.13 करोड़ रुपए की राशि शामिल है।

गौरतलब है कि गोबर विक्रेताओं, गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को आज वितरित की गई राशि को मिलाकर अब तक हितग्राहियों को 538 करोड़ 89 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है। इसमें से योजना के प्रारंभ होने के बाद से अब तक गोबर विक्रेताओं को 237.28 करोड़ रूपए तथा स्व- सहायता समूहों एवं गौठान समितियों को 223.60 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में स्वावलंबी गौठान समिति के अध्यक्षों और सदस्यों को मिलाकर समिति के कुल 21 हजार 360 सदस्यों की मानदेय की 1.13 करोड़ रुपए की राशि जारी की। स्वावलंबी गौठान समिति के अध्यक्ष को 750 रुपए और अशासकीय सदस्यों को 500 रुपए का मानदेय दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश में 10 हजार 409 गौठानों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है, इनमें से 98 प्रतिशत, 10 हजार 235 गौठानों का निर्माण पूरा हो गया है। 4 हजार 584 गौठान ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले 15 दिनों में 30 क्विंटल या उससे अधिक गोबर की खरीदी की है। इससे पूर्व के पखवाड़े की तुलना में इतनी अधिक मात्रा में गोबर खरीदने वाले गौठानों की संख्या में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार पिछले वर्ष 16 से 31 मई 2022 की तुलना में इस वर्ष इसी अवधि में गोबर खरीदी में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रदेश के 05 हजार 911 गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं। इन गौठानों द्वारा अब तक गोबर खरीदी के एवज में कुल 53 करोड़ 80 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है। आज गोबर खरीदी के एवज में जारी की गई 04 करोड़ 91 लाख रुपए की राशि में से 03 करोड़ 05 लाख रुपए का भुगतान स्वावलंबी गौठानों द्वारा तथा विभाग द्वारा 01 करोड़ 86 लाख रुपए का भुगतान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठानों में चल रही विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से 15 हजार 905 स्व सहायता समूहों की 01 लाख 89 हजार 614 सदस्यों को अब तक 144 करोड़ 22 लाख रुपए की आय हुई है। श्री बघेल ने इस योजना की सफलता के लिए योजना से जुड़े सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस है। हमारी गोधन न्याय योजना का एक उद्देश्य पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन करना भी है। राज्य सरकार द्वारा सुराजी गांव योजना, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना, वृक्ष संपदा योजना, कृष्ण कुंज योजना, नदी तट वृक्षारोपण, फलदार पौधा रोपण जैसी योजनाओं के माध्यम से अपने पर्यावरण को लगातार बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है।

रेडीमेड वस्त्र निर्माण से खुला रोजगार का सुगम द्वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौठान में बनाए गए रीपा में रेडीमेड वस्त्रों के निर्माण से महिला समूहों को उन्हें न केवल रोजगार मिल रहा है, बल्कि उन्हें अच्छी खासी आमदनी भी हो रही है। महिलाओं द्वारा शुरू किए गए रेडिमेड वस्त्र निर्माण इकाई से 8 से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाएं जुड़ी है। बालोद जिले के ग्राम मार्री बंगला के महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में संचालित रेडीमेड वस्त्र निर्माण इकाई रोजगार उपलब्ध कराने का कारगर माध्यम बन गया है।

यहां ग्रामीण युवाओं को गांव में ही रूचि का व्यवसाय मिल रहा है। महिलाओं द्वारा रेडीमेड वस्त्रों के निर्माण से उन्हें अब तक 02 लाख 56 हजार रुपये की आमदनी मिल चुकी है। इस रेडीमेड वस्त्र निर्माण इकाई में पेटीकोट, टी-शर्ट के रेडीमेड वस्त्र निर्माण किया जा रहा है। इस रेडीमेड इकाई में निर्मित सामग्रियों का मूल्य 06 लाख 97 हजार रुपये तथा उत्पादित सामग्रियों की कुल लागत 04 लाख 91 हजार रुपये है। इस इकाई में सांई बाबा स्वसहायता समूह, जय मां तुलसी स्वसहायता समूह, भारत माता स्वसहायता समूह, जय गंगा मईया स्वसहायता समूह, जय मां शाकम्भरी स्वसहायता समूह, जय मां दंतेश्वरी स्वसहायता समूह, मीनिमाता स्वसहायता समूह, नर्मदा स्वसहायता समूह आदि की महिलाएं जुड़ी हैं। रेडीमेड वस्त्र निर्माण से जुड़ी श्रीमती हीरमोतीन बाई ने बताया कि उनके गांव में रेडीमेड वस्त्र निर्माण ईकाई के शुरू होने से उन्हें गांव में ही अपने मन पसंद काम मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि पहले वे अपने घर में सिलाई-बुनाई का कार्य किया करती थी, लेकिन इसके लिए जरूरी सामग्रियों का समूचित प्रबंध नहीं होने से वे इस कार्य को अच्छी तरह से नहीं कर पाती थी। जिसके कारण उसे कोई खास आमदनी नहीं मिलती थी। लेकिन आज उनके गांव के रीपा में रेडीमेडी वस्त्र निर्माण इकाई प्रारंभ होने से उन्हें भरपूर काम मिल रहा है। श्रीमती पुष्पलता ने बताया कि अपने घरेलू जिम्मेदारियों को पूरा करने के बाद रीपा में आकर रेडीमेड वस्त्र का निर्माण कर रही हैं, जिससे उन्हें अच्छी खासी आमदनी प्राप्त हो रही है। उन्होंने महिलाओं को रोजगार प्रदान के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की सरकार को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया है।

जन चौपाल में सुनी गई आम नागरिकों की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जन चौपाल के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। डॉ भुरे ने जन चौपाल के माध्यम से जिले के विभिन्न विकासखंडो से आए नागरिकों, ग्रामीणजनों, महिलाओं की समस्याओं और शिकायतों को सुना और प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। आज जनचौपाल में लगभग 50 आवेदन आए।आज जनचौपाल में ग्राम तर्री निवासी अरुण कुमार वर्मा ने बेरोजगारी भत्ता योजना का लाभ दिलाने, पंडरी निवासी व्यवसायी ने सहायता राशि प्रदान करने, ग्राम मौहागांव निवासी देवप्रसाद गायकवाड़ ने भूमि का सीमांकन कराने, छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष शैलेश सिंह राजपूत ने तिल्दा नेवरा क्षेत्र में पत्रकार भवन निर्माण हेतु मद स्वीकृति प्रदाय करने आवेदन दिया। इसी प्रकार आरंग निवासी रमेश कुमार पटेल ने अपने स्वामित्व की भूमि से अतिक्रमण हटाने, अरशद खान ने ग्राम टेमरी स्थित अपनी भूमि में अवैध रूप से रोड निकाले जाने की शिकायत संबंधी आवेदन दिया।

व्यापमं की परीक्षाओं के लिए आवेदन पूरी तरह निःशुल्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर युवाओं को सरकारी नौकरी का अवसर देने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा लगातार रिक्त पदों पर भर्तियां निकाली जा रही है। इससे प्रदेश के लाखों युवा उत्साहित है और भर्ती परीक्षाओं के लिए बढ़-चढ़कर आवेदन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल की घोषणा के अनुरूप अभ्यर्थी व्यापमं की परीक्षाओं के लिए नि:शुल्क आवेदन कर पा रहे हैं।

साथ ही ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया को सरल बनाने से अभ्यर्थियों को आवेदन करने में बड़ी आसानी हो रही है।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा परीक्षार्थियों को प्रोफाइल बनाने की सुविधा दी गई है, अपनी प्रोफाइल के माध्यम से अभ्यर्थी अनेक परीक्षाओं के लिए आसानी से आवेदन भर सकेंगे। इस व्यवस्था से अभ्यर्थी को आवेदन करते समय बार-बार अपनी मूल जानकारी आवेदन में भरने की आवश्यकता नहीं होगी।

युवाओं के हित में लिए गए इन फैसलों का सकारात्मक परिणाम यह है कि व्यापमं की वेबसाईट पर अब तक अभ्यर्थियों के 7 लाख 80 हजार 117 प्रोफाइल बन चुके हैं और इसके माध्यम से विभिन्न पदों के लिए 12 लाख 26 हजार आवेदन पत्र भरे जा चुके हैं।

व्यापमं द्वारा ऑनलाईन आवेदन में त्रुटि सुधार के लिए भी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। अभ्यर्थियों द्वारा वेबसाईट पर बनाए गए प्रोफाइल में त्रुटि होने की स्थिति में 20 दिनों के भीतर सुधारने का अवसर दिया जा रहा है। व्यापमं के अधिकारियों द्वारा बताया गया है कि आवेदन सुधारने की अंतिम तिथि निकल जाने के बाद प्रोफाइल सुधारना उचित नहीं होगा, क्योंकि इससे आवेदन पत्र में गलती रह जाने की संभावना बनी रहेगी।

20 दिनों के भीतर प्रोफाइल में ऑनलाईन सुधार न करने पर अभ्यर्थी को व्यापमं आकर ऑफलाईन सुधार कराना होगा। साथ ही इन 20 दिनों में प्रोफाइल में ऑनलाईन सुधार न करने पर ही आवेदक को 200 रूपए देने होंगे और ऐसा इसलिए किया गया है ताकि अभ्यर्थी आवेदन करने में पर्याप्त सावधानी बरतें और लापरवाही की वजह से सेवा में नियुक्ति के दौरान आने वाली समस्याओं से बच सकें। गौरतलब है कि अब तक केवल 2 हजार 182 आवेदकों को ही व्यापमं आकर ऑफलाईन प्रोफाइल में त्रुटि सुधार की आवश्यकता पड़ी है, जो व्यापमं में आवेदकों द्वारा बनाए द्वारा प्रोफाइल का मात्र 0.002 प्रतिशत है।

व्यापमं में बने अभ्यर्थियों के प्रोफाइल जल्द जुड़ेंगे आधार से

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा अभ्यर्थियों के प्रोफाइल को जल्द ही आधार से जोड़ने की सुविधा शुरू की जाएगी। इस व्यवस्था से किसी भी आवदेक को ऑफलाईन प्रोफाइल सुधारने के लिए व्यापमं आने की जरूरत नहीं होगी। आवेदक ऑनलाईन घर बैठे ही अपने प्रोफाइल में सुधार कर सकेंगे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn.
& Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR
BOOT HOUSE
Jawahar Market,
Power House
Bhilai 9826181183

विविध

तोंद कम करना चाहते हैं? तो करें ये....

व्यायाम से कई तरह के शारीरिक फायदे होते हैं। अतिरिक्त फेट को कम करने में भी यह बेहद मददगार है। अक्सर देखा जाता है कि लोग बढ़ी हुई चर्बी से परेशान हैं। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण होता है अच्छे से अपने स्वास्थ्य का ध्यान ना देना। जिससे आपकी हालत ख़राब हो जाती है। लेकिन क्या इसे नियंत्रित करने के लिये हम सही व्यायाम और सही खानपान का सहारा लेते हैं?

इसी कड़ी में हम कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं जिनसे आपको फेट कम करने में मदद मिलेगी:

मीठे सॉफ्ट ड्रिंक्स से दूर रहें।

अध्ययन बताते हैं कि सॉफ्टड्रिंक्स में मिली शुगर हमारी मेटाबॉलिक हेल्थ के लिये बेहद खतरनाक होती है। फ्रक्टोज की मात्रा ज्यादा होने के चलते इससे फेट बढ़ जाता है।

एरोबिक्स करें

व्यायाम से कई तरह के शारीरिक फायदे होते हैं। अतिरिक्त फेट को कम करने में भी यह बेहद मददगार है। एरोबिक्स जैसे चलना, दौड़ना, तैरना आदि बेहद मददगार साबित हो सकते हैं।

फाइबर युक्त पदार्थों का सेवन।

फाइबर का उचित मात्रा में सेवन करना चाहिये। खासतौर पर फल, सब्जियां, मोटे अनाज और बींस का सेवन करना चाहिये, क्योंकि ये लसदार (विस्कस) फाइबर के अच्छे स्रोत होते हैं।

दही का सेवन करने से शरीर की फालतू चर्बी घट जाती है। छाछ का भी सेवन दिन में दो-तीन बार करना लाभदायक है।गरम पानी में नींबू का रस और शहद घोलकर रोज सुबह खाली पेट पिएं। इससे पेट सही रहेगा और मोटापा दूर होगा।

ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो मोटापा घटाने के साथ-साथ चेहरे की झुर्रियों को भी दूर करता है। ग्रीन टी को बिना चीनी के पीने से इसका फायदा जल्द होता है।

बताना चाहेंगे कि कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि जब लोग कार्बोहाइड्रेट्स का सेवन कम करते हैं तो भोजन के प्रति उनकी इच्छा भी कम होती है। लो-कार्ब फेट्स तोंद कम करने में मदद करते हैं।

जिस व्यक्ति का बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स 25 से 29.9 के बीच होता है, उसे डॉक्टरी भाषा में ओवरवेट या ज्यादा वजनदार कहा जाता है। दूसरी ओर जब बीएमआई 30 या उससे अधिक होता है, तो इसे मोटापा कहा जाता है। मोटापा घटाने के लिए खान-पान में सुधार जरूरी है।

माइग्रेन से बढ़ता है हार्ट अटैक, कम उम्र में मौत का खतरा

माइग्रेन से पीड़ित महिलाओं में हृदयाघात और स्ट्रोक का खतरा धीरे-धीरे बढ़ता है और इन कारणों से उनकी मौत वैसे लोगों की तुलना में पहले हो सकती है जिन्हें माइग्रेन नहीं है।

अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि इस अध्ययन से यह पता चलता है कि माइग्रेन को हृदय संबंधी रोगों के परिपेक्ष्य में गंभीर खतरे की तरह देखा जाना चाहिए। माइग्रेन का संबंध स्ट्रोक बढ़ने के खतरे से रहा है लेकिन कुछ अध्ययनों के अनुसार माइग्रेन और हृदय संबंधी रोगों का संबंध मृत्यु से है।

जर्मनी के इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ और अमेरिका के हार्वर्ड टी एच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने माइग्रेन, हृदय संबंधी रोग और मृत्यु के बीच संबंधों को लेकर व्यापक संदर्भ के साथ अध्ययन किया। इस अध्ययन का प्रकाशन बीएमजे में हुआ है।

पत्तागोभी के पांच फायदे

सब्जी से लेकर स्वादिष्ट व्यंजनों में पत्तागोभी का जितना प्रयोग होता है, उतने ही सेहत के फायदे भी इससे मिलते हैं। शारीरिक दर्द हो या चोट, थायरॉइड हो या फिर स्तनों की समस्या, पत्तागोभी का यह उपाय हर मामले में जादू की तरह असर करेगा। पत्तागोभी बांधने से होंगे यह बेहतरीन लाभ -

- सूजन - यदि हाथ, पैर या शरीर के किसी ऐसे भी भाग में चोट लगने के कारण दर्द और सूजन महसूस कर रहे हैं, तो सोते समय पत्तागोभी का पत्ता लेकर संबंधित स्थान पर रखें और उसके ऊपर पट्टी बांध लें। सोने से पहले यह तरीका आपको काफी लाभ पहुंचाएगा।
- स्तन में दर्द - नवजात शिशु को दूध पिलाते समय कई बार महिलाओं को स्तनों में दर्द होता है। अगर आपके साथ भी यह समस्या है, तो पत्तागोभी का पत्ता स्तन पर रखने से आपके स्तन का दर्द गायब हो जाएगा। इसे एक बार जरूर आजमाकर देखें।
- थायरॉइड - थायरॉइड ग्रंथि शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने में महत्पूर्ण भूमिका निभाती है साथ ही पाचन तंत्र के लिए भी यह खास है। अगर आपको इनसे संबंधित कोई समस्या होती है, तो अपने गले पर थायरॉइड ग्रंथि वाले स्थान पर पत्तागोभी का पत्ता रखें और ऊपर से शॉल लपेट लें। सुबह इसे गले से हटा लें।
- सिरदर्द - यदि आपको सिर में असहनीय दर्द हो रहा है तो यह आंखों की कमजोरी या फिर अत्यधिक तनाव और थकान के कारण भी हो सकता है। ताजा पत्तागोभी का एक पत्ता लेकर सिर पर रखें और माथे पर भी। इसके बार सिर को ढंक लें। आपको दर्द कम होता महसूस होगा।
- शरीर के किसी भी हिस्से को हीलिंग पावर देने के लिए यह एक बेहतरीन तरीका है। दर्द को खींचने के मामले में यह चुंबक की तरह कार्य करता है।

आलू का रस पीने के यह 6 फायदे

उबले या कच्चे आलू का प्रयोग आपने सब्जी, चाट या अन्य चीजों में जरूर किया होगा, लेकिन क्या आपने कभी आलू का जूस पिया है? यदि नहीं पिया तो अब पीना शुरू कर दीजिए क्योंकि इससे आपको मिल सकते हैं, सेहत के बेमिसाल फायदे। फिलहाल जानिए यह फायदे -

- कच्चे आलू के रस को पानी के साथ रोजाना आधा कप पिएं और ध्यान रखें कि इसे खाली पेट लें। इससे आपको गैस बनने की समस्या से निजात मिलेगी, जो आजकल एक आम समस्या बन चुकी है।
- शोध इस बात को साबित कर चुके हैं, कि कच्चे आलू का रस आपको कैंसर, हाइपरटेंशन और किडनी के अलावा कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से बचा सकता है।
- अगर आप डाइबिटीज के मरीज हैं तो यह आपके लिए बेहद फायदेमंद चीज है। रक्त में शर्करा के स्तर को कम करने में आलू का रस काफी प्रभावकारी साबित होगा।
- यह आपकी प्रतिरोधक क्षमता को तो बढ़ाएगा ही, साथ ही लिवर संबंधी समस्याओं का निराकरण कर आपको बिल्कुल स्वस्थ बनाए रखने में भी मददगार होगा।
- आलू का रस नियमित रूप से लेने पर आपकी त्वचा संबंधी परेशानियां खत्म हो जाएंगी। यह आपकी त्वचा को अंदर से साफ कर उसे पोषण देने के साथ ही चमकदार भी बनाएगा। इसे त्वचा पर लगाने से मुहांसों की समस्या से भी निजात मिलेगी।
- इसका सेवन करने पर शरीर से सभी हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलेगी और शरीर के सभी अंगों की सफाई होगी।

ये लक्षण नजर आएं, तो समझो लिवर खराब है...

क्या आप जानते हैं, कि आपका लिवर ठीक से काम कर रहा है या नहीं ? कहीं आपका लिवर खराब तो नहीं हो रहा ? इन बातों के प्रति आपको सचेत रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि अगर आपका लिवर ठीक से काम नहीं कर रहा है, तो आपको कई बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इनसे बचना चाहते हैं, तो जानिए कि आपका लीवर ठीक से कार्य कर रहा है या नहीं।

यह जानने के लिए, कि आपको लिवर संबंधी कोई समस्या तो नहीं है, आपको शरीर की प्रतिक्रियाओं पर विशेष रूप से नजर रखना होगा और उनमें होने वाले बदलाव एवं लक्षणों को गंभीरता से लेना होगा।

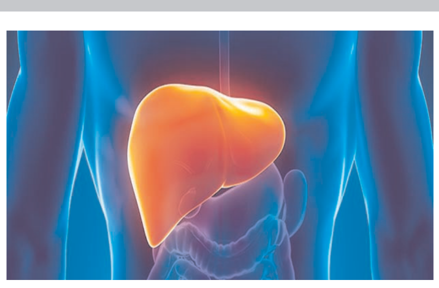

- कुछ लोगों को लिवर में सूजन आ जाती है, जिससे पेट का आकार बढ़ जाता है। ऐसे में इसे मोटापा समझने की गलती करना आपको परेशानी में डाल सकता है। अगर आपको उस स्थान पर समय-समय पर दर्द हो रहा हो, तो चिकित्सक को जरूर दिखाएं।
- अत्यधिक थकान होना, त्वचा का रूखा होना और आंखों के आसपास काले घेरे हो जाना कभी-कभी लि?वर की खराबी का नतीजा भी होता है। लि?वर कमजोर होने की स्थिति में त्वचा क्षतिग्रस्त, बेजान हो जाती है, और बालों से जुड़ी समस्याएं भी होती है।
- लिवर खराब होने की स्थिति में पेशाब का रंग बदल जाता है। ऐसा होने पर पेशाब का रंग गहरा हो जाता है। इसके अलावा जॉन्डिस के लक्षण जैसे नाखूनों व आंखों के सफेद भाग का पीला हो जाना भी इसमें शामिल है।
- अगर भूख न लगने की समस्या या फ्रि पेट में गैस बनना व बदहजमी जैसी समस्याएं लगातार हो रही हैं, तो इसे भी लिवर की खराबी का एक लक्षण माना जाता है। इसके साथ ही छाती में जलन और भारीपन भी होता है।
- बुखार न होने पर भी मुंह का स्वाद खराब हो जाना और लगातार कड़वापन बना रहना, यह भी लिवर की खराबी के कारण हो सकता है। यही नहीं लिवर की खराबी होने पर अमोनिया की अधिकता के कारण मुंह से बदबू आना भी शुरू हो जाता है।

न्यूली मैरिड दोस्तों को देगें ये तोहफे तो बन जाएंगे यादगार

इस बार शादियों के मौसम में अगर आप अपने किसी करीबी को उसकी शादी का तोहफा देना चाहते हैं तो उसे कुछ ऐसा दें जो अनूठा हो और उसके लिए एक यादगार तोहफा बन जाए।

शादी के बाद एक परफेक्ट डेट:

आमतौर पर भारतीय शादियों में रीति-रिवाजों और मेहमानों की भीड़-भाड़ के बीच नवविवाहितों को एक साथ समय बिताने का मौका नहीं मिलता, ऐसे में उन्हें शादी के तोहफे के रूप में एक रोमांटिक डिनर डेट या संडे ब्रंच देना उन्हें यकीनन पसंद आएगा। स्वादिष्ट खाने का लुत्फ उठाने के साथ अपनी शादी के लम्हों को याद करने का मौका देने वाला आपका यह तोहफा उनके लिए यकीनन यादगार बन जाएगा।

रोमांटिक यात्रा वाउचर:

नवविवाहितों को किसी रोमांटिक लॉज, नजदीकी रिजॉर्ट या होटल का वाउचर तोहफे में देना भी एक अच्छा आइडिया हो सकता है।

कुकरी क्लास:

आज के न्यूएज जोड़े जो गृहस्थी की जिम्मेदारियां मिलजुल कर निभाते हैं, उन्हें साथ मिलकर कुकिंग सीखने का मौका देना भी एक अच्छा ख्याल रहेगा। ऐसे में आप उन्हें तोहफे में किसी कुकरी क्लास का वाउचर भी दे सकते हैं।

रोमांचक उपहार:

अगर नवविवाहित जोड़ा रोमांच पसंद है तो आप उन्हें घुड़सवारी, जीप सफारी, रॉक क्लाइंबिग, हॉट एयर बैलूनिंग जैसे किसी एडवेंचर स्पोर्ट का मौका भी तोहफे में दे सकते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

पर्यावरण का संरक्षण करना सभी का दायित्व - मंत्री कवासी लखमा

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जगदलपुर के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने यहां जामुन के पौधे का रोपण किया। उद्योग मंत्री श्री लखमा ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण हम सभी का दायित्व है, क्योंकि यह हमारे जीवन के लिए आवश्यक है। हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। इसके साथ ही उसकी देखरेख भी करना जरूरी है, जिससे वह पौधा नष्ट न हो। उन्होंने विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधों की देखरेख के लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों से आग्रह करते हुए कहा कि वे शाला प्रारंभ होने अथवा बंद होने के पूर्व पौधों की देखभाल का कार्य नियमित तौर पर करें। इस अवसर पर संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन, इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, महापौर श्रीमती सफीरा साहू, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू ने भी विद्यालय परिसर में पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक मोहम्मद शाहिद, कलेक्टर विजय दयाराम के., वन मंडलाधिकारी श्री डीपी साहू सहित जनप्रतिनिधिगण विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

अमृत सरोवर अंतर्गत बहेरा तालाब गहरीकरण कार्य से मिल रहा मजदूरों को रोजगार

सूरजपुर। केन्द्र सरकार की महत्वूपर्ण योजना अमृत सरोवर जिसमें नवीन तालाब निर्माण कराया जाना या पुराने तालाब जिसे गहरीकरण किये जाने हेतु अमृत सरोवर अंतर्गत लेना है। जनपद पंचायत सूरजपुर ग्राम पंचायत सलका के अमृत सरोवर अंतर्गत ग्रामवासियों द्वारा ग्राम पंचायत बैठक में प्रस्ताव पारित कर चयन किया गया है, अमृत सरोवर गाईडलाईन के अनुसार बहेरा तालाब का क्षेत्रफल 1 एकड़ से अधिक व पानी रूकने की क्षमता 10000 क्यूबीक मीटर से अधिक है। तालाब गहरीकरण के पूर्व पूरा तालाब कमलगट्टा व गंदगी से भरा था। जिसमें ग्राम पंचायत के निस्तार, मवेशियों को पानी पीने के लिए बहुत समस्या हो रही थी। अब अमृत सरोवर अंतर्गत लिये इस बहेरा तालाब को निर्माण शासन के दिये गये गाइडलाइन अनुरूप किया जा रहा है। बाहर का पानी किस ओर से अंदर आयेगा व अधिक भराव होने पर किस तरफसे जायेगा (इटलेट व आउटलेट) किया गया है। इस तालाब की स्वीकृत राशि 9.99 लाख रुपये है। जिसमें 5.84 लाख रुपये व्यय किया गया है। जिसमें मनरेगा मजदूरों द्वारा गोदी खोद कर कार्य कराया जा रहा है। इस तालाब के बनने से ग्राम पंचायत के जलस्तर में वृद्धि होगा। तालाब के मेढ़ में गढ़ा खोदकर नीम, पीपल, कटहल, जामून, बरगद जैसे पौधा लगाया जायेगा। पानी की एक-एक बूंद अमृत के समान है। पानी के बिना किसी भी जीव के जीवन की कल्पना नहीं किया जा सकता है।

सुखमीन बाई हो या सुखों बाई, हरा सोना ने संग्राहकों में खुशियां जगाई

कोरबा। इस औद्योगिक जिले के वनांचल में रहने वाले ग्रामीण तेंदूपत्ता को हरा सोना मानते हैं। गर्मी के दिनों में जब उनके पास न तो खेतों में काम होता है और न ही घर में कुछ काम, तब इसी तेंदूपत्ता यानी हरा सोना का संग्रहण उन्हें मेहनत एवं संग्रहण के आधार पर पारिश्रमिक देता है। वनांचल में रहने वाले ग्रामीणों के लिये तेंदूपत्ता के प्रति मानक बोरा की दर में हुई वृद्धि ने खुशियां जगा दी है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा तेंदूपत्ता प्रति मानक बोरा राशि 4000 रुपए किए जाने के बाद संग्राहकों में खुशियां है। वे बहुत ही उत्साह के साथ तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य कर रहीं हैं। कोरबा विकासखंड के ग्राम कोरकोमा की सुखमिन बाई और कला कुंवर, वृंदा बाई तेंदूपत्ता संग्रहण कर उसे समिति में बेचने का कार्य वर्षों से कर रही है। एक सीजन में तीन से पांच हजार रूपए तक कमाई करने वाली इन संग्राहिकाओं का कहना है कि वे सुबह से शाम तक पत्ते तोड़कर उसे बण्डल बनाती हैं, फिर फड़ में ले जाकर बेच आती हैं। उनका अधिकांश समय वन में ही गुजरता है। मुख्यमंत्री द्वारा 2500 रूपये प्रति बोरा राशि की दर को 4000 रूपए किए जाने पर खुशी जताते हुए सुखमिन बाई ने इससे उसके जैसे संग्राहकों को लाभ पहुंचने की बात कही। ग्राम कोरकोमा की की रहने वाली बिसाहीन बाई, गीता बाई, सुखो बाई, ननकी बाई का कहना है कि वह कई साल से तेंदूपत्ता तोड़ने का कार्य कर रही है। संग्राहकों के हित में 2500 की राशि 4000 रूपए प्रति बोरा होने पर गरीब संग्राहकों को इससे फायदा होने की बात कही। कुदमुरा के राजकुमार ने बताया कि वह मजदूरी के साथ-साथ तेंदूपत्ता संग्रहण का काम कई वर्षों से करता आ रहा है। गांव में तेंदूपत्ता संग्रहण से गर्मी के दिनों में कुछ कमाई हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए प्रति मानक बोरा दर 25 सौ से बढ़ाकर चार हजार रूपये किए जाने से संग्राहकों को राहत मिल रही है। संग्राहक सुखो बाई ने बताया कि गांव के पास ही पहाड़ है। आसपास के क्षेत्र में तेंदूपत्ता संग्रहण आसानी से हो जाता है।

पुल के निर्माण से पड़ोसी राज्यों के लिए आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने अंतर्राज्यीय पुल निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक निर्माण एवं गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने आज बलरामपुर के विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के ग्राम सनावाल में 21 करोड़ 04 लाख रूपए की लागत से निर्मित होने वाले अंरर्राज्यीय पुल निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय विधायक के मांग पर रामचन्द्रपुर में नवीन विश्राम गृह निर्माण की घोषणा की। इस दौरान मंत्री श्री साहू ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विभागीय योजनाओं पर आधारित स्टालों का निरीक्षण किया।

उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर संदीय सचिव तथा सामरी विधायक चिंतामणि महाराज, रामानुजगंज विधायक एवं सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री बृहस्पत सिंह, कलेक्टर रिमिजियुस एक्का, पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रेना जमील उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि क्षेत्र में आमजनों की सुविधा को देखते पुल निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों को पुल निर्माण कार्य प्रारंभ होने की बधाई देते हुए कहा कि इस अंतर्राज्यीय पुल के निर्माण से यहां की जनता को पड़ोसी राज्यों के लिए आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। रामचंद्रपुर-धौली, बालचौरा मार्ग पर कन्हर नदी पर लगभग 15 करोड़ 20 लाख की लागत से उच्च स्तरीय पुल एवं पचावल-त्रिशूली मार्ग पर पांगन नदी में लगभग 05 करोड़ 84 लाख की लागत से पुल के पुनर्निर्माण से न केवल जिले के गांव आपस में जुड़ जाएंगे बल्कि पड़ोसी राज्य से भी बेहतर जुड़ाव हो सकेगा। सीमावर्ती जिला होने के कारण यहां की जनता के रिश्तेदार पड़ोसी राज्यों में निवासरत हैं, ऐसे में इस पुल के निर्माण से उन्हें आवागमन की अच्छी सुविधा मिलेगी। अब नदी का पानी उनके लिए बाधा नहीं बनेगी। कार्यक्रम को संसदीय सचिव श्री चिंतामणी महाराज, रामानुजगंज विधायक बृहस्पत सिंह ने भी सम्बोधित किया।

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन कर हितग्राहियों को सामग्रियां प्रदान की। इस अवसर पर शासन के पुलिस विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, वन विभाग, पशुपालन विभाग, मछली पालन विभाग एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा स्टॉल लगाए गये थे। मंत्री श्री साहू ने श्रम विभाग द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे प्रसूती सहायता योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को 20 लाख का चेक प्रदान किया, मछली पालन विभाग के योजनांतर्गत हिग्राहियों को मछली बीज एवं जाल प्रदान किया गया। साथ ही अन्य योजनातंर्गत हितग्राहियों को भी लाभान्वित किया गया।

रामगढ़ विश्व की महत्वपूर्ण धरोहर, राम वनगमन पर्यटन परिपथ देखने पूरी दुनिया आएगी छत्तीसगढ़ - अमरजीत भगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा जिले के ऐतिहासिक रामगढ़ की पहचान अनेक रूपों में की जाती है। राम वनगमन पर्यटन परिपथ में शामिल रामगढ़ में विश्व की प्राचीन नाट्यशाला है। यहां रामगढ़ की पहाड़ियां महाकवि कालिदास के खंडकाव्य मेघदूत की प्रेरणा हैं। इस प्राचीन स्थल के महत्व को उल्लेखित करने और सुरम्यता का आनंद लेने यहां रामगढ़ महोत्सव मनाया जाता हैं।

आषाढ़स्य प्रथमदिवसे यानी आषाढ़ माह के प्रथम दिवस प्रतिवर्ष रामगढ़ महोत्सव मनाया जाता है। इसी कड़ी में खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत के मुख्य आतिथ्य में 4 जून रविवार को दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छ.ग. मेडिकल सर्विस कार्पोरेशन अध्यक्ष एवं लुण्ड्रा विधायक डॉ प्रीतम राम द्वारा की गई। इस अवसर पर मंत्री श्री भगत ने कहा कि भगवान श्री राम के वनवास के दौरान उनके श्री चरण हमारे छत्तीसगढ़ में पड़े। हमारा सौभाग्य है कि यह भगवान श्री राम का ननिहाल भी है। माता कौशल्या का मायका है। चंदखुरी में उनका मंदिर बनाया गया है। मैं यहां की भूमि को प्रणाम करता हूं। रामगढ़ का महत्व धार्मिक ही नहीं, विश्व की महत्वपूर्ण धरोहर के रूप में भी है। यहां सीताबेंगरा और जोगीमारा की गुफाओं के साथ विश्व की प्राचीन नाट्यशाला भी है। यह महाकवि कालीदास की अद्भुत रचना मेघदूत की यह रचना स्थली है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि शासन द्वारा पुरानी धरोहर को संरक्षित कर स्थापित करने का काम किया जा रहा है। राम वनगमन पर्यटन पथ के विकसित होने के बाद पूरी दुनिया छत्तीसगढ़ को देखने आएगी। उन्होंने रामायण के प्रसंगों का उल्लेख किया।

गौठानों में आजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़ कर महिलाएं बढ़ रहीं हैं स्वावलम्बन की ओर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महोरा तथा रजौली गौठान में दीदियों ने मुर्गीपालन कर गढ़ी सफलता की कहानीशासन की महत्वकांक्षी नरवा, गरुवा, घुरवा और बाड़ी योजना के तहत गौठानों में आजीविका गतिविधियों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर हुई हैं। आज ये महिलाएं घरेलू कामकाज के साथ उत्साह और लगन के साथ आजीविकामूलक कार्यों को भी कर रहीं हैं। कोरिया जिले के गौठानों में विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें मुर्गीपालन का कार्य कर लाभ कमा महिलाएं अपनी सफलता की कहानी गढ़ रही हैं।

जिला प्रशासन के सहयोग से जिले के गौठानों में समूह द्वारा मुर्गीपालन किया जा रहा है। विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के ग्राम गौठान महोरा में स्वयं सहायता समूह की दीदियां मुर्गी पालन कर अण्डा विक्रय से अच्छा लाभ कमा रहीं हैं। समूह की सदस्य इन्द्रमणी दीदी बताती हैं कि एक वर्ष पूर्व आजीविका के रूप में उन्होंने यह कार्य प्रारंभ किया। अभी तक इनके द्वारा कुल 2 लाख रुपए से अधिक का अण्डा विक्रय किया जा चुका हैं जिससे शुद्ध 40 हजार रूपये का लाभ अर्जन हो चुका है और वर्तमान में उनके द्वारा अण्डा उत्पादन का कार्य सतत् रूप से किया जा रहा है।

इन्द्रमणी दीदी प्रेरणा स्त्रोत के रूप में अपने समूह की दीदियों को आजीविका गतिविधि करने हेतु प्रेरित कर रही है और अब खुद सक्षम होने के साथ-साथ अपने परिवार की आय में योगदान दे रही है। इसी प्रकार विकासखण्ड सोनहत के ग्राम गौठान रजौली की ज्वाला महिला स्व सहायता समूह की संगीता दीदी ने गत जनवरी माह से 10 हजार की लागत से गौठान में कड़कनाथ मुर्गी पालन का कार्य शुरू किया था और आज उन्होंने ने 20 हजार से अधिक का विक्रय कर लिया है। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से सक्षम होना वास्तव में सुखद अनुभूति है, प्राप्त आमदनी को उन्होंने बच्चों की पढ़ाई में निवेश किया और घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में उपयोग किया है।

निष्पक्ष और निर्भीक चुनाव में सहयोगी हैं व्यय प्रेक्षक-दीपक अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिकाओं के लिए उप निर्वाचन 2023 हेतु कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसके तहत आठ जिलों के नौ वार्डों में पार्षदों का उप निर्वाचन होना है। निर्वाचन में पार्षदों द्वारा किये जाने वाले व्यय पर निगाह रखने के लिए 15 व्यय प्रेक्षकों की तैनाती आयोग द्वारा की गई है।

आज दोपहर तीन बजे से नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय के वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष के जरिये इन व्यय प्रेक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के उपसचिव श्री दीपक अग्रवाल, ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि व्यय प्रेक्षकों की नियुक्ति निष्पक्ष और निर्भीक चुनाव में सहयोग देने के लिए की गई है। अत: वे गंभीरता से अपने दायित्व का निर्वहन करें। व्यय प्रेक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए आयोग में श्रीमती प्रीति निषाद, लेखाधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही प्रत्येक जिले में भी नोडल अधिकारी नियुक्त किये जाने के लिए निर्देशित किया गया है। इस मौके पर, आयोग के अवर सचिव श्री आलोक श्रीवास्तव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग में बताया कि नगरीय निकायों में पार्षद का चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए आयोग द्वारा व्यय सीमा तय की गई है। इसमें नगर पंचायतों के पार्षद चुनाव के अभ्यर्थियों की व्यय सीमा जहां पचास हजार है, और वहीं नगरपालिकाओं के लिए डेढ़ लाख रूपये है।

नगरपालिका निगम में तीन लाख से कम आबादी वाले वार्डों में अभ्यर्थी अधिकतम तीन लाख तक खर्च कर सकते है और वहीं तीन लाख से अधिक आबादी वाले वार्डों के अभ्यर्थियों के लिए पांच लाख रूपये की व्यय सीमा तय की गई है। पार्षद पद के प्रत्येक अभ्यर्थी को रोज किए जाने वाले व्यय का लेखा रजिस्टर-प्रोफार्मा-क में रखना होगा, जो अभ्यर्थी को रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा दिया जाएगा। यह भी बताया गया कि हालांकि व्यय प्रेक्षकों का कार्य अभ्यर्थियों के नामों के अंतिम रूप से घोषणा के बाद ही शुरू होता है, किन्तु उन्हें नामांकन दाखिले के दिन से सचेत रहना चाहिए। ध्यान रहे कि इस बार नगरीय निकायों के पार्षद चुनाव के लिए नाम वापसी हेतु 12 जून 2023 की तिथि तय की गई है। ज्ञात हो व्यय प्रेक्षक कुल चार बार प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा। पहला प्रतिवेदन अभ्यर्थिता नाम वापसी दिनांक से चार दिन के भीतर, दूसरा प्रतिवेदन मतदान के दो दिन पहले, तीसरा प्रतिवेदन मतदान तिथि के दूसरे दिन तथा आखिरी प्रतिवेदन निर्वाचन परिणाम की घोषणा के 30 दिनों के भीतर राज्य निर्वाचन आयोग को भेजेगा। व्यय प्रेक्षकों को आज की कार्यशाला में यह भी बताया गया कि उन्हें अभ्यर्थियों के व्यय पर नजर रखने के लिए निर्वाचन प्रक्रिया के मध्य में कम से कम दो बार व्यय लेखा की जाँच अनिवार्य रूप से करनी चाहिए। समय-समय पर निरीक्षण और पर्यवेक्षण के दौरान अभ्यर्थी के व्यय लेखा पंजी में व्यय प्रेक्षक/निर्वाचन व्यय संपरीक्षक की जांच उपरांत हस्ताक्षर जरूरी है।

पर्यावरण प्रदूषण से फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता पर कुप्रभाव - डॉ. चंदेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में ''जलवायु परिवर्तन का कृषि तथा जीवनशैली पर प्रभाव'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि मौसम वैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञ तथा प्रगतिशील कृषक शामिल हुए। कार्यशाला का शुभारंभ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर हो रहे क्लाइमेट चेंज के कारण कृषि परिदृष्य, खेती के तौर-तरीके तथा उत्पादन एवं उत्पादकता पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। जलवायु परिवर्तन के कारण फसल चक्र में भी बदलाव आ रहा है। डॉ. चंदेल ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण के कारण

ग्लोबल वार्मिंग, परिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य पर कुप्रभाव की चिंता करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आज से ठीक पचास वर्ष पूर्व 5 जून 1973 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की शुरूआत की गई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पर्यावरण दिवस की थीम ''बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन'' रखी गई है, जो बहुत ही प्रासंगिक तथा अर्थपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है, जो पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बहुत खतरनाक है। डॉ. चंदेल ने कहा कि अब प्लास्टिक का उपयोग पूर्णत: समाप्त करना तो संभव नहीं है, लेकिन इसके उपयोग में कमी लाई जानी चाहिए तथा रिसाईक्लिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने का संकल्प लेने का आव्हान किया।

खास-खबर

अधेड़ प्रेमी ने कर दी महिला की हत्या, तीन साल से रह रहा था लिव इन रिलेशनशिप में, आरोपी गिरफ्तार

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक अधेड़ प्रेमी ने अपनी 40 वर्षीय प्रेमिका की चाकू गोदकर हत्या कर दी। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला यहां के कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार पांडे पारा इलाके की रहने वाली महिला सीमा धनगुल(40) के पति की कुछ साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद उसे अनुकंपा नियुक्ति मिली थी और वह कृषि उपज मंडी में कार्यरत थी। इसी कृषि उपज मंडी में गंगाधर टंडन लाइन इंसपेक्टर के पद पर कार्यरत था। इस दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी और दोनों एक साथ रहने लगे। दोनों बिना शादी के ही लिव इन रिलेशनशिप में रहते थे। इनकी नजदीकियां ऐसी थी कि गंगाधर की पोस्टिंग कवर्धा हो गई लेकिन वह गया नहीं।

पुलिस के अनुसार रविवार देर रात को गंगाधर व सीमा के बीच काफी विवाद हुआ। इस विवाद के बाद गंगाधर ने महिला की हत्या कर दी। महिला का शव निर्वस्त्र मिला और पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कोरबा में रेत से भरा ट्रेक्टर पलटा, ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच दब गए दो लोग

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में ट्रैक्टर–ट्रॉली पलटने से दो लोगों की मौत हो गई है। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। ट्रेक्टर में तीन लोग सवार थे जो अवैध रूप से रेत लोड कर ला रहे थे। इस दौरान चढ़ाई के पास ट्रेक्टर खड़ा हो गया और जिससे चालक व एक अन्य युवक ट्राली के बीच में फंस गए। मौके पर ही उनकी तड़प तड़प कर मौत हो गई। वहीं एक ने कूदकर अपनी जान बचाई। मामला जिले के पाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार बांधाखार निवासी रामकुमार जायसवाल(36) रेत सप्लाई का काम करता था। रविवार शाम को वह टिकम श्रीवास और योगेश यादव के साथ रेत लेने गया। शाम को तीनों रेत लोड़कर लौट रहे थे। इस बीच रास्ते में चढ़ाई आई और ट्रेक्टर का इंजन खड़ा हो गया। यह सबकुछ इतना अचानक हुआ कि रामकुमार व टीकम श्रीवास ट्रॉली व इंजन के बीच बुरी तरह से फंस गए जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अपहरण और हत्या का खौफनाक कांड, शव को ठिकाने लगाने आरी से काट दिए थे पैर

■ **हत्या के बाद मृतक के फोन से उसकी पत्नी को फिरौती के लिए किया था फोन, तीन आरोपी गिरफ्तार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के अंतर्गत फिरौती के लिए अपहरण व हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं शेष दो आरोपियों को नागपुर से गिरफ्तार किया है। दुर्ग एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने सोमवार को इस पूरे मामले का खुलासा किया है। साथ इस हत्याकांड की विस्तार पूर्वक जानकारी साझा की। आरोपियों ने हत्या के बाद शव को बोरे में भरने के लिए आरी से उसके पैर काट दिए थे।

दरअसल 1 जून को एकता नगर भिलाई तीन निवासी विमला साहू ने थाने पहुंचकर बताया कि उनके पति ओम प्रकाश साहू 31 मई 2023 की शाम 7:30 घर से निकला उसके बाद नहीं लौटा। दूसरे दिन 1 जून को सुबह 10.15 बजे उनके पति के मोबाईल से फोन आया जिसमें अज्ञात व्यक्ति ने कहा कि ओम प्रकाश ने उसके सट्टे का 30 लाख रुपए का चूना लगया। है। दो दिन में 30 लाख रुपए नहीं मिलने पर ओम प्रकाश की डेड बॉडी तुम्हारे घर भेज दूंग। पुलिस के पास गये तो तुम्हारे पति का डेड बॉडी तुम्हारे घर पहुंच जाएगी। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

इसके बाद पुलिस ने एक टीम बनाई और जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को कुछ मोबाइल नंबर मिले और इसके आधार पर आशीष तिवारी की इस घटना में संलिप्तता पाई गई। इसके बाद पुलिस ने आशीष तिवारी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ में पहले तो आशीष तिवारी गुमराह करता रहा लेकिन कड़ाई से पूछताछ में उसने सारी सच्चाई उगल दी। पूछताछ में आशीष तिवारी ने बताया कि डकैती के प्रकरण में सेन्ट्रल जेल दुर्ग में ओम प्रकाश साहू से जान पहचान हुई। ओम प्रकाष साहू के जमानत पर छूटने के बाद उसने आशीष तिवारी के पिता सूर्य प्रताप तिवारी से उसकी जमानत के लिए 30 हजार रुपए लिए लेकिन जमानत नहीं कराई।

डेढ़ लाख रुपए नहीं लौटाये थे मृतक ने

जेल में रहने के दौरान और जेल से बाहर आने के बाद भी ओम प्रकाश के द्वारा जमानत कराने के लिये दिये गये पैसे एवं अन्य कुछ लेन देन के लगभग 1.50 लाख रुपए नहीं लौटाए। इसे लेकर आशीष तिवारी काफी आक्रोशित था। अपने रुपए निकलवाने के लिए उसने अपने साथी रजनीश पाण्डेय एवं अनुज तिवारी के साथ मिलकर ओम प्रकाश साहू के अपहरण की योजना बनायी। योजना के मुताबिक बीएसएनएल का सिम लिया और 31 मई 2023 की शाम 5:30 बजे उसी नम्बर से ओम प्रकाश साहू को फोन कर उमदा शराब भट्टी के पास मिलने बुलाया।

इसके बाद वह अपने साथियों के साथ उमदा शराब भट्टी पहुंचा। ओम प्रकाश साहू अपने मेस्ट्रो वाहन से पहुंचा। उसके बाद शराब व चखना लेकर चारों लोगा खदान के पास गये और वहीं पर शराब पिए। उमदा में किराए के मकान में गए और वहां भी चारों ने शराब पी। ज्यादा नशा होने के कारण सभी वहीं सो गए। सुबह 4:00 बजे तीनों उठे और ओम प्रकाश साहू की हत्या कर दी। हत्या के बाद तीनों शव के वहीं छोड़कर चले गये। इसके बाद दूसरे दिन अलग अलग समय पर उसकी पत्नी को फिरौती के लिए फोन किया।

तीनों ने बाजार से खरीदी थी आरी और बोरा

शव को ठिकाने लगाने तीनों शाम को बाजार से आरी और बोरा लेकर पहुंचे और ओम प्रकाश के शव को बोरे में भरने के लिए पहले उसके पैर काटकर मोड़ा और बोरे में भरने के बाद मेस्ट्रों से बांधकर मयुरा कंपनी के पीछे खादान तालाब में गये फेंक दिया। इसके बाद वापस आ गए। आशीष तिवारी ने बताया कि गुमराह करने के लिए ओम प्रकाश के घर वालों को महादेव सट्टा का पैसा लेने की बात बताई। आशीष तिवारी के पूछताछ के बाद प्रकरण के अन्य आरोपी रजनीश पाण्डेय एवं अनुज तिवारी की पतासाजी की। दोनों को नागपुर रेल्वे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की निशान देही पर मृतक का शव, मेस्ट्रो वाहन, मोबाईल फोन, हत्या की घटना में प्रयुक्त मोबाईल फोन, ऑरी एवं मोटर सायकल बरामद कर जब्त किया गया।

युवती ने अपने 16 साल के प्रेमी की चाकू गोदकर ले ली जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले एक युवती ने अपने 16 साल के प्रेमी की जान ले ली। युवती भी महज 18 साल की बताई जा रही है। इनके बीच प्रेम संबंध था और मामूली विवाद के बाद युवती ने चाकू गोदकर नाबालिग की हत्या कर दी। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने युवती को गिरफ्तार कर लिया है। मामला जिले के धौरपुर थाना क्षेत्र का है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, बरडीहा गांव निवासी मयंक बघेल (16) 29 मई को गांव में ही एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया था। इसके बाद उसकी रहष्यमय तरीके से मौत हो गई। 30 मई को बतौली गांव की रहने वाली मुक्ति मिंज उर्फ पीहू (18) ने मयंक के परिजनों को कॉल किया और बताया कि किसी ने उसे चाकू मार दिया है। इसके बाद परिजनों ने मयंक को होली क्रॉस अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की।

अंधे कत्ल का खुलासा करना पुलिस के लिए चुनौती थी। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो सबसे पहले मृतक मयंक का मोबाइल डाटा चेक किया। इससे पता चला कि उसकी पीहू से अक्सर बातचीत होती थी। पुलिस को दोनों के बीच प्रेम संबंधों का भी पता चला। पुलिस को जब पीहू पर शक हुआ तो उसे हिरासत में लिया। इसके बाद पूछताछ में वह पुलिस को गुमराह करती रही। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने सच्चाई उजागर की।

पुलिस पूछताछ में पीहू ने बताया कि मयंक ने उसे भी शादी में चलने के लिए घर से बुलाया था। पीहू ने घर से निकलते समय अंधेरा होने के कारण अपने पास चाकू रखा था। शादी के बाद दोनों खेत में गए तो संबंधों को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो पीहू ने अपने पास रखे चाकू को मयंक के पेट में मार दिया। इससे वह घायल होकर गिर पड़ा। यह देखकर पीहू डर गई और परिजनों को सूचना देकर झूठी कहानी सुना दी। हालांकि उसका झूठ ठिक नहीं

दत्तक ग्रहण केंद्र की प्रोग्राम मैनेजर गिरफ्तार मासूम बच्ची को पीटते वायरल हुआ था वीडियो

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में स्थित शिवनगर दत्तक केन्द्र की प्रोग्राम मैनेजर सीमा द्विवेदी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दत्तक केन्द्र के बच्चों को पीटते प्रोग्राम मैनेजर का वीडियो वायरल हुआ था इसके बाद यह मामला संज्ञान में आया। इस मामले में कलेक्टर प्रियंका शुक्ला ने कड़ी कार्रवाई की और उनके निर्देश पर न सिर्फ प्रोग्राम मैनेजर पर एफ्आईआ हुई बल्कि उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया गया।

आरोपी सीमा द्विवेदी के खिलाफकिशोर न्याय अधिनियम व एससी एसटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। इसके अलवा तत्कालीन महिला एवं बाल विकास अधिकारी सीएस मिश्रा को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं बाल विकास अधिकारी का साथ देने तथा साक्ष्य छिपाने के लिए बाल संरक्षण अधिकारी रीना लारिया को भी

कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा है।

वीडियों में दिखी थी मासूम से क्रूरता

बता दें दत्तक ग्रहण केन्द्र का जो वीडियो सामने आया है उसमें देखा जा सकता है कि किस प्रकार से यहां की प्रोग्राम मैनेजर सीमा द्विवेदी बच्ची को पीट रही थी। उसने एक बच्ची को पहले हाथ से मारा फिर बाल पकड़कर उठाकर जमीन पर पटक दिया। जमीन पर गिरी बच्ची को दोबारा फिर से खड़ा किया, एक बांह पकड़कर पलंग पर पटक दिया। बच्ची चीखती है, चिल्लाती है, रोने लगती है। इस बीच दो आया वहां से गुजरती हैं लेकिन वह दोनों की बच्चों के साथ हो रही बर्बरता को नहीं रोकती। बताया जा रहा है इस केन्द्र में यह रोज की बात है।

इस पूरे मामले में एक और हैरान करने वाली जानकारी मिली है। बताया जा रहा है कि प्रोग्राम मैनेजर का प्रेमी है, जो अक्सर रात में पहुंचता है। बच्चों के इस दत्तक केन्द्र में बाहरी लोगों के आने पर पाबंदी है इसके बाद भी उसका प्रेमी पहुंचता है। प्रेमी से विवाद होता है तो उसका गुस्सा प्रोग्राम मैनेजर बच्चों पर निकालती हैं। यहां के मासूम बच्चे महीनों से इसकी प्रताड़ना सह रहे हैं। यह भी पता चला है कि बच्चों के साथ हो रही बर्बरता को विरोध करने पर 8 कर्मचारियों को केंद्र से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। दत्तक केन्द्र में सीसी टीवी कैमरे भी रात में बंद कर दिए जाते थे। इस मामले की शिकायत महिला बाल विकास अधिकारी रहे सीएस मिश्रा तक भी पहुंचा लेकिन उन्होंने मामला दबा दिया।

ऊंचाई से खेत में गिरी कार, शिक्षक की दबने से हुई मौत, छुट्टियों में आए थे घर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में सोमवार को सड़क हादसे में शिक्षक की मौत हो गई। घटना दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के ग्राम चिखलाकसा के पास की है। शिक्षक खुद ही कार चला रहे थे इस दौरान ऊंचाई से कार खेत में गिर गई। कार में दबने से शिक्षक को गंभीर चोट लगी और उनकी मोत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक का पोस्ट मार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार के अनुसार मृतक का शिक्षक का नाम अजीत आर्य (41) बताया जा रहा है। उनकी पोस्टिंग बस्तर जिले में है और इन दिनों गर्मी की छुट्टियों

में वे घर आए थे। दो माह पहले ही उन्होंने नई कार खरीदी थी। सोमवार की सुबह लगभग 8 बजे वे खुद ही कार को चलाते हुए निकल गए थे। घर से कुछ ही दूर में पुत्तरवाही रोड में मोड़ के पास पर कार अनियंत्रित होकर ऊंचाई से खेत में जा गिरी।

हादसे के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। ऊंचाई से गिरने के कारण शिक्षक कार में ही दब गया और गंभीर चोट के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। इसके बाद शव को कार बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे के बाद दल्लीराजहरा पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

राजधानी में पकड़ाये 12 बाइक चोर, 50 बाइक बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुलिस ने बड़े चोर गिरोह को गिरफ्तार किया है। शहर में अलग अलग जगहों पर चोरी करने वाले इन बदमाशों से पुलिस ने 50 बाइक बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने कुल 12 चोरों को गिरफ्तार किया है। चोरों में एक नाबालिग भी शामिल हैं। शातिर चोरों ने शहर के अलग अलग थाना क्षेत्रों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। इनमें टिकरापारा से 36 और डीडी नगर थाना क्षेत्र से 14 बाइक जब्त की गई है।

राजधानी में लगातार बढ़ रही चोरी की बढ़ रही वारदातों को देखते हुए आरोपियों को पकड़ने के लिए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने टीम गठन किया है। इस दौरान 2

आरोपी टिकरापारा थाने क्षेत्र में दोपहिया वाहन बेचने के फिराक में ग्राहक ढूंढ रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी से बाइक चोरी के संबंध में पूछताछ करने पर उन्होंने चोरी की घटना को कुबूल किया है। इससे आरोपियों ने कुछ बाइक को ओडिशा में बेच दिए थे। ओडिशा के चंदाहंडी और सीनापाली से बरामद किया गया है। जब्त मशरुका की कीमत 30 लाख रुपए है।

इन चोरों ने रायपुर शहर के अलग–अलग स्थानों से कुल 36 बाइक चोरी करना बताया। आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी के वाहनों के संबंध में पूछताछ करने पर उन्होंने चोरी के कुछ बाइक को ओडिशा, धमतरी और रायपुर में तरुण सेन, तोषण उर्फ लस्सु कोसले, चरण दास सतनामी और दिनेश कुमार निषाद के पास बेचना बताया। कुछ गाड़ियों को अलग–अलग जगहों में छिपाकर रखना बताया। चोरी की बाइक खरीदने वाले आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 36 बाइक समेत कुल जब्त सामान 21 लाख रुपए है। दीपक बारले, तिलक वैष्णो, तुकाराम साहू, राकेश बाग, तरुण सेन, तोषण, चरणदास, दिनेश कुमार निषाद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं डीडी नगर थाने क्षेत्र में भी पुलिस इसी प्रकार की कार्रवाई की है। एक नागालिग के साथ गोपाल बाघ,भोजराज तांडी और गोरेखा मुगरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की कुल 14 बाइक जुमला लगभग 9 लाख रुपए जब्त किया गया है।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

क्रमांक/3622/भू-अर्जन/आ.क्र.नि.-2023 --:: सार्वजनिक सूचना ::-- दुर्ग, दिनांक 26/05/2023

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की तेलीगुण्डरा - केसरा मार्ग लं. 7.50 कि.मी. सड़क निर्माण एवं सड़क उन्नयन विकास कार्य में ग्राम तेलीगुण्डरा, प.ह.नं. 41 तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की आपसी सहमति से क्रय नीति 2016 के प्रावधानों के तहत अनुसूची में वर्णित भूमि को कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.) के पक्ष में क्रय करने का विचार किया जा रहा है।

क्र.	भूमि स्वामी का नाम व पिता/पति का नाम	क्रय की जाने वाली भूमि का विवरण		स्थावर परिसंपत्ति का विवरण
		खसरा नं.	रकबा (व.मी. में)	
1	2	3	4	5
1	नंदकुमार पिता बिराहत	1497	55.80	टीन शेड / एसबेस्तम शड / अंग्रेजी टाईल्स
2	पुनीत राम पिता रामभरोसा	1491/1	11.00	कच्चा मिट्टी का दीवाल का कवेलू पोश
3	पुनऊ, पुनित पिता रामभरोसा	1491/2	5.00	कच्चा मिट्टी का दीवाल का कवेलू पोश
	योग-	3	71.80	कच्चा मिट्टी का दीवाल का कवेलू पोश

02. यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि के 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति आधार सहित लिखित में कलेक्टर, दुर्ग के समक्ष स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है।

(पुष्पेन्द्र कुमार मीणा)
कलेक्टर जिला दुर्ग (छ.ग.)
एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपद प्रबंधन विभाग,

जी-02019/2

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

आईएएस लक्ष्मण तिवारी ने संभाला भिलाई निगम का कार्य, प्रभारी आयुक्त के रूप में करेंगे काम

भिलाई। लक्ष्मण तिवारी आईएएस ने आज भिलाई निगम का कार्य संभाल लिया है। निगम भिलाई के आयुक्त आईएएस रोहित व्यास के प्रवास अवधि से वापस लौटने तक एवं अवकाश अवधि 15 जून तक होने के कारण के भिलाई में निगम आयुक्त के चालू कार्य प्रभार में आईएएस लक्ष्मण तिवारी रहेंगे। श्री तिवारी ने आज से भिलाई निगम में प्रभारी आयुक्त के रूप में कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

विधायक व महापौर ने शिवनाथ नदी रोड में झाड़ू लगाकर की सफाई

दुर्ग। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 मेरी लाइफ मेरा शहर के तहत विश्व पर्यावरण दिवस सम्मान समारोह व सफाई अभियान चलाया गया।शहर विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल,पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा,सभापति राजेश यादव,पर्यावरण प्रभारी सत्यवती वर्मा,प्रभारी हमीद खोखर,संजय कोहले,दीपक साहू समेत एमआईसी सदस्य पार्षद व अधिकारियों ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शामिल होकर सफाई करने के लिए सड़कों पर उतरे। अधिकारियों ने भी इस कार्य में साथ देते हुए पौधारोपण भी किया। इस मौके पर लोगों को सफाई रखने तथा कम से कम एक पौधा रोपने की शपथ भी दिलाई गई। विधायक ने संभाली तो महापौर ने मोर्चा संभाला। विधायक,महापौर,सभापति के अलावा प्रभारी ने हाथ में झाड़ू थामी। शहर को हरा-भरा रखने का संदेश देते हुए पौधारोपण किया।शिवनाथ नदी मुक्तिधाम मार्ग में सफाई अभियान चलाने के बाद आयोजित में कहा शहर की जनसंख्या के हिसाब से प्रत्येक व्यक्ति पर एक कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसके संरक्षण की जिम्मेवारी आएगी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए जहां साफ-सफाई करने के प्रति जागरूक होकर कार्य करने की आवश्यकता है,वहीं पौधे लगाने व उन्हें संरक्षित करने की अत्यंत आवश्यकता है। विधायक व महापौर ने शिवनाथ नदी रोड में झाड़ू लगाकर की सफ़ाई,तथा नागरिको को शहर साफ-सुंदर बनाये रखने का संदेश दिया, महापौर झाड़ू लगाने के साथ नजर रखें थे कही कोने या ऐसा पास कचरा तो नही है। जहाँ भी कचरा दिखा उन्होंने उसे साफ किया।

एसएमएस-3 और प्लेट मिल में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-3 और प्लेट मिल में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस आयोजन में वृक्षारोपण के साथ ही मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली गई। एसएमएस-3 में अनुपयोगी सामग्री तथा प्लास्टिक से रेस्ट रूम का निर्माण किया गया। जिसका उद्घाटन एसएमएस-3 में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार द्वारा किया गया। तत्पश्चात एसएमएस-3 के कैम्पस में कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार द्वारा वृक्षारोपण किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिदिन जागरूक रहने और योगदान करने की अपील की। साथ ही अपने जन्मदिन पर एक पेड़ लगाने कि अपील की। कहा कि ग्लोबल वार्मिंग, तापमान का बढ़ना, मौसम का प्रभावित होना आदि दुष्प्रभाव पर्यावरण असंतुलन के कारण ही हो रहा है।

नर्सिंग होम एक्ट का उल्लंघन

कलेक्टर ने दिया सांई ज्योति हॉस्पिटल व ज्योति केन्द्र को बंद करने का आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने सांई ज्योति हॉस्पिटल, सिरसा गेट भिलाई 3 व ज्योति केन्द्र, हाउसिंग बोर्ड कॉम्प्लेक्स बस स्टैण्ड दुर्ग को बंद करने का आदेश दिया है। सांई ज्योति हॉस्पिटल के संचालक द्वारा नर्सिंग होम एक्ट के तहत लायसेंस की अवधि समाप्त होने उपरांत भी लायसेंस नवीनीकरण नहीं किया गया। वहीं ज्योति केन्द्र में भारी अनियमितताएं पाई गई जिसके कारण उक्त दोनों अस्पतालों पर कार्रवाई की गई। उक्त दोनों अस्पतालों को नर्सिंग होम एक्ट की धारा 12 (क) (1) के तहत 20-20 हजार रुपए जुर्माना लगाने के साथ ही तत्काल बंद करने का आदेश दिया गया।

ज्ञात हो कि नर्सिंग होम एक्ट के नोडल अधिकारी डॉ. आरके खण्डेलवाल के निरीक्षण प्रतिवेदन अनुसार नर्सिंग होम एक्ट की नियमित निरीक्षण व जांच के तहत सांई ज्योति हॉस्पिटल, सिरसा गेट भिलाई 3 में कार्यरत चिकित्सक नहीं पाये गये। अस्पताल में रैंप की सुविधा नहीं पायी गई। अस्पताल परिसर में साफ-सफाई का आभाव पाया गया एवं कलर कोटेड बिन नहीं पाया गया, अस्पताल के बाहर एवं आंतरीक रूम में कबाड होना पाया गया, संबंधित अस्पताल को नर्सिंग होम एक्ट, दुर्ग द्वारा जारी लायसेंस वैधता 14 सितंबर 2015 से 13 सितंबर 2020 तक 10 बेडेड हॉस्पिटल है। हॉस्पिटल की वैधता समाप्त होने के बाद भी अस्पताल संचालक के द्वारा लायसेंस नवीनीकरण नहीं किया गया, जो कि उपचर्यागृह तथा रोगोपचार संबंधी स्थापनाएं अनुज्ञापन अधिनियम, 2010 एवं 2013 का उल्लंघन है।

इसी प्रकार ज्योति केन्द्र हाउसिंग बोर्ड कॉम्प्लेक्स बस स्टैण्ड दुर्ग नर्सिंग होम एक्ट में पंजीकृत स्थायी निजी अस्पताल है। लायसेंस की वैधता समाप्त होने के उपरांत संबंधित अस्पताल के द्वारा अपनी संस्था के लायसेंस नवीनीकरण आवेदन किया गया है। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक नहीं पाये गये, अस्पताल में रैंप की सुविधा नहीं पायी गई, पीने का पानी तथा वॉश बेसिन की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं पायी गई। ड्यूटी डॉक्टर के लिये रूम, कन्सल्टींग रूम, ट्राली बेय नहीं पाया गया अस्पताल में बेड की स्थिति सही नहीं पायी गई, ऑपरेशन थियेटर मानक अनुरूप नहीं पाया गया। ऑपरेशन थियेटर में प्रशिक्षित नर्सिंग स्टॉफ नहीं पाया गया।

ऑपरेशन थियेटर एवं लेबर रूम में आपातकालीन ट्राली नहीं पायी गई। लेबर रूम एवं न्यू बोर्न बेबी कार्नर मानक अनुरूप नहीं पाया गया। ऑपरेशन थियेटर एवं संपूर्ण अस्पताल परिसर में साफ-सफाई का आभाव था एवं कलर कोटेड बिन नहीं पाया गया। अस्पताल में पायी गई अनियमितताओं के आधार पर ज्योति केन्द्र, हाउसिंग बोर्ड कॉम्प्लेक्स बस स्टैण्ड दुर्ग का नर्सिंग होम एक्ट के तहत प्रदत्त लायसेंस का नवीनीकरण किया जाना संभव नहीं है । कलेक्टर का आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर निकाली गई जन जागरूकता रैली

पर्यावरण को संरक्षित करने का लिया गया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण को सहेजने का संकल्प एवं शपथ आम नागरिकों की उपस्थिति में लिया गया। प्रत्येक जोन क्षेत्र में पर्यावरण जन जागरूकता रैली निकाली गई लोगों के मध्य पर्यावरण का संदेश प्रसारित किया गया। श्रमदान करते हुए बैकुंठ धाम तलाब की वृहद सफाई अभियान चलाया गया जिसमें जनप्रतिनिधि तथा आम नागरिकों की भागीदारी के माध्यम से तालाब की सफाई की गई। प्रमुख चौक, चौराहों एवं क्षेत्रों में तथा मोहल्ले में रैली निकालकर पर्यावरण का संदेश दिया गया। पर्यावरण दिवस के दिन अधिक से अधिक पौधरोपण करने की अपील नागरिकों से की गई तथा इसे सहेजने और सुरक्षित रखने का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरण को दूषित करने वाले कारकों बहिष्कार करने की लोगों से अपील की गई।

प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील भी की गई। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करते हुए घरों के आसपास सफाई रखने तथा कचरा एकत्रित नहीं होने देने का संदेश भी दिया गया। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त लक्ष्मण तिवारी ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की अपील की है।

चदुलाल चंद्राकर चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ अंचल के अग्रणी चिकित्सा महाविद्यालयों मे से एक चदुलाल चंद्राकर चिकित्सा महाविद्यालय व सम्बद्ध चिकित्सालय में अध्ययन अध्यापन कार्य सराहनीय रूप से संचालित हो रहें है और प्रदेश के एक बड़े वर्ग को नि:शुक्ल चिकित्सा उपलब्ध हो सकी है। 2022 के अक्टूबर माह की तुलना में अभी तक 19000 पीड़ितों की सफ्ल चिकित्सा की गयी है और अस्पताल में प्रतिदिन 250-300 मरीज़ चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठा रहें हैं।

अस्थि रोग विभाग, नेत्र रोग, स्त्री रोग, जनरल सर्जरी व कान नाक गला रोग विभागों में बहोत से रोगियों की सर्जरी की गयी है। जिसमें कुछ तो बच्चों से लेकर 99 वर्ष तक के बुजुर्गो की सफ्ल शल्य चिकित्सा भी उल्लेखनीय है। कुछ ऑपरेशन तो बेहद जटिल रहे जिनसे रोगियों को बेहद लाभ मिल सका।

मेडिसिन, शिशु रोग, पैथोलॉजी, बायो केमिस्ट्री,माइक्रोबायोलॉजी,चर्म रोग. मानसिक रोगों के मरीज़ भी उच्च गुणवत्ता पूर्ण परामर्श प्राप्त कर पा रहें हैं और अतिश्योक्ति न होगी कि अल्प समय में ही इस चिकित्सा महाविद्यालय ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक प्रमुख स्थान बना लिया है। हर वर्ष 200 चिकित्सा छात्रों की चिकित्सा शिक्षा में समर्थ ये चिकित्सा महाविद्यालय भविष्य में भी प्रदेश के रोगियों की नि:शुल्क सेवा व चिकित्सा हेतु तत्पर व कटिबद्ध है।

जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सेक्टर 09 स्थित पं. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मिशन लाइफ के तहत दिनांक 05 जून 2023 को पर्यावरण संबन्धित एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांयें) डॉ एम रविन्द्रनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ राजीव कुमार पाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ कौशलेंद्र ठाकुर तथा महाप्रबंधक (चिकित्सा प्रशासन) शाहीद अहमद सहित पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य सहयोगी कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत वाकथान से की गई, जो ओपीडी वार्ड से गेट 01 होते हुये डॉक्टर्स कार पार्किंग तक आयोजित की गयी। इसके पश्चात मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांयें) डॉ एम रविन्द्रनाथ तथा उपस्थित अन्य चिकित्सा अधिकारी और सहयोगी स्टाफद्वारा पार्किंग एरिया में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ ली गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ एम रविन्द्रनाथ ने पर्यावरण और दैनिक जीवन में इसके प्रभावों तथा प्लास्टिक बैन पर अपने विशेष विचार व्यक्त किये। उन्होनें कहा कि प्लास्टिक हमारे समाज के लिए एक अभिशाप है। हमें इसका उपयोग कम से कम करना करना चाहिए। उन्होंने चार प्रकार के आर को अपनाने का आह्वान किया। जिसमें पहला रेड्यूस्ड (प्लास्टिक उपयोग में कमी), दूसरा रियूज (पुन: उपयोग), तीसरा रिसायकल (पुनरावृत्ति) और चैथा रिकॉग्नाइज यानि पहचानना कि प्लास्टिक एक अभिशाप है।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में जल संरक्षण के उद्देश्य से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का उदघाटन किया गया। तत्पश्चात ओपीडी वार्ड में मुख्य अतिथि द्वारा पर्यावरण सम्बंधित पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया।

गुब्बारा छोड़कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नागरिकों को अधिक से अधिक पौधे रोपित कर सुरक्षित एवं संरक्षित रखने भिलाई निगम की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत राधिका नगर एसएलआरएम सेंटर में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महापौर नीरज पाल, निगम आयुक्त लक्ष्मण तिवारी, जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, महापौर परिषद की सदस्य तथा उद्यान एवं पर्यावरण विभाग की प्रभारी नेहा साहू, एमआईसी मेंबर संदीप निरंकारी, आदित्य सिंह, केशव चौबे, चंद्रशेखर गवई, मालती ठाकुर, पार्षद उमेश साहू, दिनशा तुमाने, अली हुसैन सिद्धिकी तथा नागरिकों ने गुलमोहर, महानीम, कदंब, बादाम, स्टोपीडिया एवं ताबुदियारोजा, जामुन, करंज जैसे किस्मों के पौधे रोपित किए।

पौधे रोपित करने के साथ ही इसके सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस दौरान गुब्बारा छोड़कर पर्यावरण संरक्षण तथा अधिक से अधिक पौधे रोपित करने तथा इसे सुरक्षित रखने की अवधारणा के साथ इसका संदेश प्रसारित किया गया।

महापौर नीरज पाल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर निगम के अधिकारियों से कहा कि बारिश आते ही रिक्त स्थानों पर पौधे रोपित कर इसे सुरक्षित रखने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छा मौका है जब आज हम बारिश से पूर्व वृक्षारोपण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार हो जाते हैं और वर्षा ऋतु आते ही वृक्षारोपण कर पाते हैं। निगम आयुक्त लक्ष्मण तिवारी ने कहा कि पौधे लगाने के साथ ही इसकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, इस ओर विशेष ध्यान देकर पौधे को जीवित रखने का प्रयास करें। पर्यावरण एवं उद्यान विभाग की प्रभारी नेहा साहू ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज के युग में जहां कोविड काल में ऑक्सीजन की जरूरत महसूस हुई थी, इसको देखते हुए भिलाई वासियों को पौधारोपण करने की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

नगर पालिक निगम भिलाई अपील करता है कि आम नागरिक भी अधिक से अधिक पौधे रोपित करें और उसे सुरक्षित एवं संरक्षित रखने का प्रयास करें। आज सभी जोन क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को शामिल करते हुए पौधारोपण किया गया। पौधारोपण के कार्यक्रम में जोन आयुक्त राजेंद्र नायक, जनसंपर्क अधिकारी पीसी सार्वा, ईई विनीता वर्मा, सहायक अभियंता आर एस राजपूत, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण दिवस पर चला अभियानः पर्यावरण के दुश्मनों को सबक, वसूला 7000 जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। पर्यावारण संरक्षण करने के बजाय नुकसान पहुंचाने वालों के साथ रिसाली निगम सख्ती से पेस आई। 7000 रूपये जुर्माना वसूला गया। वहीं पर्यावरण विभाग प्रभारी अनुप डे सामान्य प्रशासन विभाग प्रभारी चन्द्रभान सिंह ठाकुर उपस्थिति में पर्यावरण के लिए बेहद खतरानाक माने जाने वाले बिखरे पड़े डिस्पोजल व पॉलीथीन को उठाया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर निगम आयुक्त, आशीष देवांगन के मार्गदर्शन पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने अनुठा अभियान चलाया। वे ऐसे स्थान पर पहुंचे जहॉ प्रतिबंध के बाद भी चोरी छिपे वन-टाईम युज प्लास्टीक जैसे- डिस्पोजल गिलास, प्लेट या फ्रि कैरी बैग का उपयोग किया जा रहा था। शराब और सड़क किनारे दुकान लगाने वालों को प्लास्टिक एवं पॉलीथीन से पर्यावारण को खतरा विषय को विस्तार से समझाते हुए प्रतिबंधित सामनों को जब्त किया गया। इस अभियान में राजस्व विभाग के प्रभारी अधिकारी संजय वर्मा, जनस्वास्थ्य विभाग के बृजेन्द परिहार आदि उपस्थित थे।

रिसाली निगम के महापौर परिषद के सदस्य अनुप डे व चन्द्रभान ठाकुर ने नागरिकों से अपील की घर के आस-पास बिखरे पॉलीथीन व डिस्पोजल पात्र को श्रमदान कर एकत्र कर डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन गाड़ी में डॉल दे। ऐसा नही करने पर प्लास्टीक जमीन पर बिखरा रहेगा। और वह मानव जीवन को संकट में डाल सकता है। धरती को हराभरा बनाने रिसाली निगम इस साल भी बड़े स्तर पर पौध रोपण करेगा। इस अभियान की शुरूआत 10 जून से की जाएगी। नेवई गोठान में फ्लदार पौध लगाए जाएंगे।

भेंट मुलाकात : चाय पर हुई विकास की चर्चा, लोगों ने कहा भिलाई में चारों ओर दिख रहा विकास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भेंट मुलाकात करते हुए विधायक देवेंद्र यादव सेक्टर 1 पहुंचे। जहां वे सेक्टर 1 वार्ड के नागरिकों के साथ वार्ड का भ्रमण किए। वार्ड में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। जानकारी लेने के साथ ही वार्ड में होने वाले विकास कार्यों का औचक निरीक्षण भी किया। इस दौरान वे वार्ड के नागरिकों के साथ जमीन पर बैठ कर लोगों के साथ चाय पी।

चाय पीते -पीते शहर के विकास कार्यों को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान लोगों ने विधायक देवेंद्र यादव का सबसे पहले तो आभार जताया कि उन्होंने सेक्टर 1 के लिए जो काम किया है।

उसके लिए उनका दिल से आभार और धन्यवाद। सेक्टर 1 में बहुत सुंदर और मनमोहक उद्यान बनाया गया है। सड़कों पर धूल ना उड़े इसके लिए अधिकांश सड़कों के किनारे फूटपाथ पर पेवर ब्लॉक लगाए गए है। ऐसे कई विकास कार्य हैं। जो हुए है और कई विकास कार्य हैं जो चल रहे हैं। वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों ने विधायक से कहा कि सच में भिलाई में विकास देखने को मिल रहा है। चारो ओर भिलाई के हुडको से लेकर खुर्सीपार और छावनी तक विकास ही विकास नजर आ रहा है। वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों ने विधायक से कुछ मांग की और छोटी- मोटी समस्याएं भी बताई। लोगों ने विकास को लेकर लंबी और सार्थक चर्चा की। लोगों ने बताया कि बीते कुछ सालों में जब से वे विधायक बने हैं, तब से लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। सेक्टर में सड़क,नाली,बिजली, पानी,उद्यान सौंदर्यीकरण से लेकर सभी सड़को को धूल मुक्त करने के लिए पेवर ब्लॉक लगाया जा रहा है। सिर्फ यही नहीं सीएम भूपेश बघेल की महत्वाकांक्षी योजनाओं से वार्ड के लगभग हर परिवार का राशन कार्ड बनाया गया है। श्रम कार्ड बनाया गया है। आयुष्मानकार्ड बनाया गया है।

सड़क, नाली, पानी की समस्याएं भी दूर हुई। जब विधायक देवेंद्र यादव को लोग अपने वार्ड में देखे तो सब खुश हो गए। लोगों ने बताया कि पहले पानी की समस्या थी, लेकिन अब पानी की समस्या दूर हो गई है। इसके लिए सभी वार्डवासियों ने विधायक का आभार जताया।

विधायक देवेन्द्र की पहल पर हुआ स्वास्थ्य शिविर

श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की टीम ने दी सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विधायक देवेंद्र यादव की पहल पर श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज व हॉस्पिटल की टीम ने वार्ड 50 दुर्गा मंच में नि:शुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन किया। शिविर में स्त्री रोग विशेषग्य, नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत रोग, आपातकालीन चिकित्सा,आर्थोपेडिक, ब्लड ग्रुप और एचबी जांच की गई।

इस शिविर में 151 मरीजों द्वारा स्वास्थ जांच कराई गई तथा 63 मरीजों को शिविर से श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज एवम हॉस्पिटल में एंबुलेंस द्वारा भेज कर इलाज करवाया गया। वार्ड 50 पार्षद डी सुजाता ने बताया की वार्ड 50 में विधायक देवेन्द्र यादव की पहल पर नि:शुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा टीम के आने से पहले ही वार्ड के लोगों में उत्साह का माहौल था। शिविर स्थल में शिविर लगाने के पहले ही भिड़ एकत्रित हो गई थी, सभी के लिए कुर्सी पानी की पहले ही व्यवस्था की गई थी। श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज एवम हॉस्पिटल की डॉक्टर की पूरी टीम ने इस नेक काम में अपना पूरा सहयोग दिया।

शिविर में स्त्री रोग विशेषग्य, नेत्र रोग विशेषग्य, दंत रोग, आपातकालीन चिकित्सा आर्थोपेडिक ब्लड ग्रुप और एचबी जांच के लिए हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टर की टीम मौजूद थी। डॉ प्रभा पटेरिया ने बताया की उनकी हॉस्पिटल टीम हर उस जगह तक जाएगी जहां मरीजों को उनकी जरूरत है। समाज सेवक डॉ हरजिंदर सिंह सेवक जन फाऊंडेशन के बैनर तले यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विधायक देवेंद्र यादव का पूरा सहयोग मिला।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950